खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 09 अप्रैल, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-96

तार-तार सीजफायर!

चंद घंटों में हमले, हार्मूज फिर बंद

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर के ऐलान के महज कुछ घंटों बाद ही हालात फिर बिगड़ गए, जब दोनों तरफ से हमलों की खबरें सामने आईं। संघर्ष विराम के इस उल्लंघन के बाद ईरान ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रोक दी, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

इजराइल ने बुधवार को लेबनान में कई जगहों पर एयरस्ट्राइक की। इन हमलों में 254 लोग मारे गए और 1,165 लोग घायल हो गए। लेबनान की नागरिक सुरक्षा टीम के अनुसार, मारे गए लोग लेबनान के बेरुत, बालबेक, हर्मेल, नबातीह, अले डिस्ट्रिक्ट, सिडोन और टायर के थे।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजराइली हमले के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। इससे पहले उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने चेतावनी दी थी कि अगर सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया, तो यह समझौता टूट जाएगा।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि ईरान के साथ सीजफायर प्लान में हिजबुल्लाह शामिल नहीं है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का सीजफायर प्लान भेजा था, उसमें हिजबुल्लाह पर हमले रोकने की मांग की गई थी। तब इजराइल ने कहा था कि वो हिजबुल्लाह पर हमले नहीं रोकेगा।

अमेरिका और ईरान के बीच करीब 40 दिन बाद 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी है। ट्रम्प ने बताया कि यह फैसला पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया।

मिशन अधूरा है, युद्ध फिर शुरू हो सकता है – नेतन्याहू

इसी बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कहा कि इजराइल का मिशन अभी अधूरा है और जरूरत पड़ी तो युद्ध दोबारा शुरू किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सीजफायर पर उनकी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सहमति थी, लेकिन अभी कुछ लक्ष्य बाकी हैं जिन्हें या तो समझौते से या फिर युद्ध के जरिए हासिल किया जाएगा।

नेतन्याहू ने यह भी दावा किया कि इजराइल ने ईरान की मिसाइल उत्पादन क्षमता को काफी हद तक नष्ट कर दिया है और फिलहाल जो हमले हो रहे हैं, वे पुराने स्टॉक से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान में संवर्धित यूरेनियम को या तो समझौता से या फिर बल पूर्वक हटाया जाना चाहिए। ▶8 पर

सऊदी अरब की तेल पाइपलाइन पर ईरान का हमला

सऊदी अरब की महत्वपूर्ण ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन, जो वर्तमान में कच्चे तेल के निर्यात के लिए उसका एकमात्र सक्रिय मार्ग है, बुधवार को एक ईरानी हमले की चपेट में आ गई। उद्योग जगत के सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि इस हमले में किंगडम की अन्य सुविधाओं को भी निशाना बनाया गया है। यह हमला उस समय हुआ है जब हाल ही में संघर्ष विराम की घोषणा की गई थी, जिसके कारण इसे शांति प्रयासों के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। ईरान द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी ढंग से बंद किए जाने के बाद, यह पाइपलाइन सऊदी अरब के पूर्वी तेल क्षेत्रों से लाल सागर स्थित यानबू बंदरगाह तक प्रतिदिन लगभग 70 लाख बैरल तेल पहुंचा रही थी। हॉर्मुज के बंद होने से तेल और गैस की भारी मात्रा फंस गई है, जिससे विश्व ऊर्जा बाजारों में कीमतों में भारी उछाल आया है। ▶8 पर

ट्रंप का बड़ा दावा- ईरान नहीं करेगा यूरेनियम संवर्धन

ईरान युद्ध के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है कि अब यूएस और ईरान बेहद करीब से मिलकर काम करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ईरान एक सफल सत्ता परिवर्तन के दौर से गुजर चुका है। उन्होंने दावा किया कि अब ईरान में यूरेनियम संवर्धन नहीं किया जाएगा और अमेरिका, ईरान के साथ मिलकर भूमिगत परमाणु सामग्री को बाहर निकालने का काम करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये भी बताया कि पूरे क्षेत्र पर कड़ी सैटेलाइट निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी गतिविधि पर नजर रखी जा सके। ट्रंप के अनुसार, हमले के बाद से अब तक उस साइट पर किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं हुई है। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच टैरिफ और प्रतिबंधों में राहत को लेकर बातचीत चल रही है और 15 में से कई बिंदुओं पर सहमति भी बन चुकी है।

चीन निभाएगा रचनात्मक भूमिका

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने साफ किया है कि चीन मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चीन लगातार संघर्ष-विराम और बातचीत को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है और खाड़ी क्षेत्र समेत पूरे मिडिल ईस्ट में स्थिरता बहाल करने में रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा।

चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि चीन ने खऑरप को बातचीत की मेज पर लाने में मदद की है। चीन का यह रुख बताता है कि वह खुद को एक मध्यस्थ और संतुलन बनाने वाली ताकत के रूप में पेश करना चाहता है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका, ▶8 पर

उस्मानिया अस्पताल में 'भूतिया' कर्मचारी ?

राजा सिंह ने घोटाले की जांच की मांग की

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने प्रसिद्ध उस्मानिया जनरल अस्पताल में एक बड़े वित्तीय घोटाले का अंदेशा जताया है। विधायक ने आरोप लगाया है कि अस्पताल में सफाई का जिम्मा संभालने वाली चेन्नई की एजेंसी क्यूपीएमएस और कुछ अस्पताल अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी धन की लूट की जा रही है।

विधायक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, तेलंगाना सरकार कागजों पर 787 सफाई कर्मचारियों को वेतन दे रही है, लेकिन हकीकत में अस्पताल में केवल 400 कर्मचारी ही काम कर रहे हैं। प्रति कर्मचारी लगभग 11,400 रुपये के हिसाब से हर महीने लाखों रुपये का गबन किया जा रहा है। राजा सिंह ने दावा किया कि यह खेल पिछले तीन साल से चल रहा है, जिससे राज्य के खजाने को करोड़ों की चपत लगी है।

अधिकारियों की मिलीभगत का शक

राजा सिंह ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि बिना अधिकारियों के संरक्षण के इतना बड़ा फर्जीवाड़ा संभव नहीं है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की एक उच्च स्तरीय स्वतंत्र समिति से जांच कराने और दोषी एजेंसी व अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक धन का इस तरह दुरुपयोग जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ है और इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

असम, केरल और पुड्डुचेरी में मतदान आज

नयी दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी में 296 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए गुरुवार को होने वाले मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गयी है।

असम की 126 , केरल की 140 और पुड्डुचेरी की 30 सीटों के लिए कल वोट डाले जायेंगे। मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम पांच बजे तक चलेगा। चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर लिये गये हैं और आयोग मतदान-केंद्रो पर मतदाताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है।

चुनाव आयोग के मुताबिक औसतन प्रत्येक मतदान केंद्र पर 750 से 850 मतदाता होंगे, लेकिन किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं होंगे। असम में 2,50,21,408 मतदाताओं के लिए कुल 28,205 मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं। केरल में 2,71,06,059 मतदाता हैं जिनके लिए 30,471 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। वहीं पुड्डुचेरी में 9,44,539 मतदाता 1,099 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर छाया और पेयजल के समुचित प्रबंध किए गए हैं।

आयोग ने इस बार 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए घर पर मतदान करने की सुविधा प्रदान की है तथा उनके लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गयी है।

असम में कुल 722 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। प्रमुख उम्मीदवारों में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया, एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल, रायजोर दल के नेता अखिल गोगोई और असम जातीय परिषद अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई शामिल हैं। राज्य में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

केरल विधानसभा चुनाव के लिए 140 सीटों पर 890 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 2.71 करोड़ हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 ट्रांसजेंडर हैं।

केरल में मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के बीच हैं हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी यहां जोर आजमाइश कर रही है।

पुड्डुचेरी में कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में मतदान के दौरान सुरक्षा के लिए करीब 3,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिनमें पुड्डुचेरी पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरफीएफ) और कर्नाटक पुलिस की विशेष टीम शामिल है।

पुड्डुचेरी में कुल 294 प्रत्याशी चुनाव लड् रहे हैं। यहां भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) और कांग्रेस कीअपनी किस्मत आजमा रहे हैं. यह चुनाव बीजेपी की अगुवाई वाले सत्तारुढ़ राजग और कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन के बीच सीधी टक्कर हैं।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

सीओपी33 मेजबानी छोड़ी

2028 में होना था, भारत पीछे हटा

नयी दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत ने साल 2028 में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी33 की मेजबानी करने के अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह फैसला वैश्विक जलवायु कूटनीति के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि भारत ने खुद इस आयोजन के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी।

दरअसल, साल 2023 में दुबई में आयोजित सीओपी28 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अंतरराष्ट्रीय मंच से प्रस्ताव रखा था कि भारत 2028 में सीओपी33 की मेजबानी करना चाहता है। प्रधानमंत्री ने तब जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की बढ़ती भूमिका और नेतृत्व को रेखांकित करते हुए यह पेशकश की थी।

सूत्रों के अनुसार, भारत ने संबंधित अंतरराष्ट्रीय निकायों को आधिकारिक तौर पर सूचित कर दिया है कि वह सीओपी33 की मेजबानी के अपने प्रस्ताव को वापस ले रहा है। हालांकि, इस फैसले के पीछे के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। पर्यावरण मंत्रालय ने इस घटनाक्रम पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और बॉन स्थित सीओपी मुख्यालय को भेजे गए सवालों का भी अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक हैरानी की बात यह है कि भारत इस आयोजन की तैयारियों को लेकर काफी सक्रिय दिख रहा था। जुलाई 2025 में, भारत के पर्यावरण मंत्रालय ने बाकायदा एक समर्पित सीओपी33 सेल का गठन किया था। इस सेल का मुख्य उद्देश्य 2028 के शिखर सम्मेलन के लिए पेशेवर और लॉजिस्टिक (साजो-सामान) संबंधी जरूरतों को पूरा ▶8 पर

चोरी हुए स्कूटर पर ट्रैफिक चालान, फोटो में कैद हुआ चोर

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)

प्रवर्तन प्रणालियों के बीच समन्वय की कमी को उजागर करने वाली एक अजीबोगरीब घटना में, शहर के एक निवासी को अपने उस स्कूटर के लिए ट्रैफिक चालान प्राप्त हुआ जो महीनों पहले चोरी हो चुका था। खास बात यह है कि चालान के साथ संलग्न उल्लंघन की तस्वीर में कथित चोर का चेहरा साफ दिखाई दे रहा है।

पीड़ित व्यक्ति ने इस मुद्दे को उठाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया। उन्होंने हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस और सिटी पुलिस को टैग करते हुए अधिकारियों से चालान इमेज में कैद सबूतों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, प्रिय HYDTP hydcitypolice, मेरा वाहन तीन महीने पहले चोरी हो गया था और हबीब नगर पुलिस स्टेशन में पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। आज मुझे उसी वाहन के लिए ट्रैफिक चालान मिला है और तस्वीर में चोर का चेहरा साफ दिख रहा है। मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया इस मामले को देखें।

पोस्ट के अनुसार, घटना के तुरंत बाद हबीब नगर पुलिस स्टेशन में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बावजूद, स्वचालित ट्रैफिक प्रवर्तन प्रणाली वाहन को सक्रिय मानती रही और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर चालान जारी कर दिया। इस घटना ने पुलिस डेटाबेस और ट्रैफिक प्रवर्तन प्रणालियों के बीच ▶8 पर

केसीआर के कार्यकाल के बाद कल्याणकारी संस्थाओं में गिरावट का आरोप, छात्रों की सुरक्षा व कल्याण पर चिंताएं

मंचेरियाल, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में केसीआर के कार्यकाल में स्थापित किए गए गुरुकुल और कल्याणकारी आश्रमों की भूमिका में कमी और छात्रों की सुरक्षा-कल्याण पर कम ध्यान देने से चिंताजनक घटनाएँ सामने आई हैं। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य भर में शिक्षा एवं छात्रावास व्यवस्थाओं में कमज़ोरी के आरोप लगाए जा रहे हैं और हाल के वर्षों में छात्रों में आत्महत्या तथा आत्महत्या के प्रयासों की बढ़ती घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है।

केसीआर के शासनकाल में राज्य भर में एक हजार से अधिक गुरुकुल स्थापित किए गए थे, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के गरीब छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और छात्रावास सुविधाएँ दी जाती थीं। उस समय प्रति छात्र सालाना लगभग 2 लाख रुपये तक खर्च किए जाने की जानकारी थी।

हाल की घटनाओं के बाद आरोप हैं कि कांग्रेस सरकार के आने के बाद इन संस्थाओं का महत्व घटा और उनके संचालन व छात्र-कल्याण पर ध्यान कम हुआ। राज्य भर में अब तक 43 छात्रों की मौतें दर्ज हुई हैं, जिनमें से लगभग 5-6 मौतें संयुक्त आदिलाबाद जिले से संबंधित हैं; इनमें आत्महत्या, आत्महत्या के प्रयास और बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती जैसी घटनाएँ शामिल हैं।

हालिया घटनाओं में 29 मार्च 2026 को चेन्नूर गर्ल्स गुरुकुल की सातवीं कक्षा की छात्रा श्रीहिंदू ने कीटनाशक सेवन कर आत्महत्या कर ली; इस मामले में दो शिक्षकों को निलंबित किया गया। उसी स्कूल में एक अन्य छात्रा ने भी कीटनाशक सेवन का प्रयास किया था।

मंचेरियाल के समाज कल्याण आवासीय महिला डिग्री कॉलेज की बी.कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा जंगमपल्ली लक्ष्मी प्रसन्ना (19) ने भवन की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली; पहले भी इसी कॉलेज में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया था। नासपुर के कस्तूरबा स्कूल की कक्षा 9 की छात्रा मधुलता ने खराब भोजन के कारण आत्महत्या कर ली-इन घटनाओं ने छात्रावासों की सुरक्षा, भोजन गुणवत्ता और देखभाल व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

विपक्षी नेता रेवंत रेड्डी ने पहले कहा था कि वे केसीआर के निशान मिटाने की कोशिश करेंगे; वर्तमान घटनाओं के संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या गुरुकुलों और कल्याणकारी संस्थाओं को कमजोर करने की कोई साजिश रची जा रही है।

नगरीय और सामाजिक संगठनों, अभिभावकों और छात्र-हित संगठनों ने सरकार से तत्काल जांच, छात्रावासों में सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन, भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने की मांग की है। प्रभावित इलाकों में अधिकारियों से कहा जा रहा है कि वे छात्रों की सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य जांच व काउंसलिंग पर विशेष ध्यान दें तथा दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। स्थिति गंभीर बनी हुई है और राज्य सरकार, शिक्षा व समाज कल्याण विभागों से त्वरित जांच और सुधारात्मक कदम उठाने की उम्मीद जताई जा रही है।

मदनूर चना खरीद केंद्र में अधिकारियों द्वारा रिश्वत माँगने का आरोप – तहसीलदार ने जांच के आदेश दिए

मदनूर, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर कृषि बाजार समिति के चना खरीद केंद्र पर किसानों ने कुछ अधिकारियों पर रिश्वत माँगने का आरोप लगाया। मामला 21 मार्च को मार्क फेड के सहयोग से स्थानीय क्षेत्र के विधायक लक्ष्मी कांता राव द्वारा चना खरीद केंद्र उद्घाटन के बाद सामने आया। किसानों का कहना है कि केंद्र पर कभी-कभी ड्यूटी पर नहीं रहने वाले दो कॉलिटी कंट्रोलर आते हैं और चना की गुणवत्ता बताकर किसानों से 1,500 से 4,000 रुपये तक की मांग करते हैं। एक किसान जब अपना चना बैग वजन करवाने गया तो आरोपियों ने कहा कि चना गीला है और रुपये न देने पर बैग कम तौलेंगे।

घटना के दौरान केंद्र पर मौजूद एक अधिकारी ने बतौर किसान दखल दिया, लेकिन उस पर भी पैसे माँगने का आरोप लगाया गया। जब किसानों ने पत्रकारों को बुलाया तो आरोपित अधिकारी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उसने किसी से पैसे नहीं लिए। बाद में किसानों ने तहसीलदार एम. डी. मुजीप को फोन कर शिकायत की। तहसीलदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने आरोपित अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए तथा मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया।

किसानों ने तहसीलदार को बताया कि रोजाना अलग-अलग अधिकारी केंद्र पर आकर रिश्वत लेते हैं, जिससे वे परेशान हैं। तहसीलदार ने तत्काल जांच के साथ दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पीएडी पर जागरूकता जरूरी : डॉ. श्रीकांत राजू

मंचेरियाल, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ सलाहकार एंडो-वास्कुलर सर्जन और क्लिनिकल डायरेक्टर, यशोदा अस्पताल हाईटेक सिटी यूनिट, डॉ. एस. श्रीकांत राजू ने कहा है कि डायबिटीज़ रोगियों में पैरों में रक्त परिसंचरण की कमी – पेरिफेरल आर्टीरियल डिजीज (पीएडी) – के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अत्यंत जरूरत है। मंचेरियाल में आयोजित संवाद कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि डायबेटिक रोगियों में पीएडी की समस्या तेज़ी से बढ़ रही है और यह

गंभीर परिणाम दे सकती है।

डॉ. श्रीकांत राजू ने चेतावनी दी कि पीएडी के कारण छोटे-मोटे घाव भी बढ़कर अल्सर बन सकते हैं और यदि समय पर निदान व उपचार न किया जाए तो संक्रमण और कटौती (अम्प्यूटेशन) का खतरा बढ़ जाता है।

कुछ मरीजों में नसों की समस्या के कारण घाव या चोट का दर्द महसूस ही नहीं होगा, इसलिए चोटों को नज़रअंदाज़ करने से जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के घाव या चोट पर तुरंत मेडिकल सलाह लेना, शीघ्र जानकारी और समय पर इलाज कराना बहुत जरूरी है – इससे पैर खोने के खतरे को अधिकांश मामलों में रोका जा सकता है। कार्यक्रम में मार्केटिंग मैनेजर नवीन कुमार पलकुर्ति भी उपस्थित थे।

सरकारी स्कूलों में बेहतर सुविधाएं व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

मंचेरियाल, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों को विकसित कर विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

बुधवार को कलेक्टर ने भीमाराम मंडल स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित स्कूल व छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं, छात्रावास, रसोईघर और भोजनालय की व्यवस्थाएं देखीं और निर्देश दिए कि छात्रों

को समय पर पौष्टिक भोजन व शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। शिक्षकों को पढ़ाई को सरल और समझने योग्य बनाने तथा कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देने का भी निर्देश दिया गया।

इंस्पेक्शन के बाद कलेक्टर ने दांपुर गांव में चल रही इंदिरम्म आवास योजना के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाभार्थियों से कहा कि वे निर्धारित मानकों के अनुसार मकान निर्माण करें और सरकारी सहायता का सही उपयोग सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वच्छता, पेयजल और आवास निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान देने तथा गर्मी के मौसम में पानी की समस्याओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारी करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने बेज्जूर अस्पताल व स्कूलों का निरीक्षण किया

आसिफाबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने बुधवार को बेज्जूर मंडल केंद्र के सरकारी अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने हाजिरी रजिस्टर, वार्डों व परिसर की स्थिति जाँची तथा कहा कि सरकारी अस्पतालों में निजी अस्पतालों जैसी समयपालन और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ सुनिश्चित की जाएँ।

डॉक्टरों व स्टाफ को समय पर ड्यूटी तथा मरीजों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार के निर्देश दिए। गर्मी में लू प्रभावितों के लिए दवाइयाँ उपलब्ध रखने तथा सामान्य प्रसव अस्पतालों में ही कराने के लिए गर्भवती महिलाओं को जागरूक करने पर बल दिया।

इसके बाद आदिवासी आश्रम विद्यालयों का निरीक्षण कर मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता व स्वच्छता की समीक्षा की। मंडल परिषद विद्यालय में छात्रों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई प्रेरित की तथा उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया।

तहसीलदार कार्यालय में राजस्व आवेदनों का शीघ्र निपटान व प्रमाणपत्र समय पर जारी करने के निर्देश दिए। समयपालन व नियमित उपस्थिति पर जोर दिया। कार्यक्रम में तहसीलदार राममोहन, एमपीडीओ प्रवीण सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार पर तेजी – कलेक्टर ने सेवाओं और अवसंरचना बढ़ाने के निर्देश दिए

मंचेरियाल, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार हेतु सरकारी प्रयासों को तेज करने के निर्देश दिए। सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित मातृ-शिशु अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने गर्भवती महिलाओं के समय पर पंजीकरण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने सरकारी अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव को प्रोत्साहित कर मातृ तथा शिशु मृत्यु दर घटाने का लक्ष्य बताया। उन्होंने स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और संतुलित आहार के महत्व पर बल दिया और आशा कार्यकर्ताओं व स्वास्थ्य कर्मचारियों को गर्भवती महिलाओं को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकतम लाभ दिलाने हेतु सक्रिय रहने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन नए सरकारी अस्पताल व क्रिटिकल केयर यूनिट के कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए; जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते सूत महंगा, तेलंगाना के बुनकर परेशान

मंचेरियाल, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से सूत और अन्य कच्चे माल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिससे तेलंगाना के बुनकरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पॉलिएस्टर और सूती धागे के निर्माण में कच्चे तेल का महत्वपूर्ण योगदान होने के कारण इसकी कमी सीधे तौर पर धागे की कीमतों में इजाफे का कारण बनी

है।पॉलिएस्टर धागे की कीमतें प्रति किलोग्राम लगभग 110 रुपये से बढ़कर 140 रुपये हो गई हैं।सूती धागे की कीमतें 150 रुपये से बढ़कर लगभग 180 रुपये हो गई हैं।कपड़ा प्रसंस्करण की लागत भी 3.25 रुपये/मीटर से बढ़कर 4 रुपये/मीटर हो गई है।सिरसिला में प्रतिदिन लगभग 20 लाख मीटर पॉलिएस्टर और 5 लाख मीटर सूती कपड़ा बुना जाता है; इन सामान्य मांगों के कारण धागे की बढ़ती कीमतें व्यापक असर डाल रही हैं।

स्थानीय बुनकरों और सहकारी समितियों ने कहा है कि पहले से ही ऑर्डर की कमी और सरकारी ऑर्डरों के रद्द होने के चलते वे जूझ रहे थे; अब कच्चे माल की ऊंची कीमतें उनकी स्थिति और खराब कर रही हैं। पारस्परिक सहायता सहकारी समिति (एमएसीएस) के महासचिव पोलु शंकर ने बताया कि यह संकट उनके लिए अतिरिक्त बोझ है। उन्होंने राज्य सरकार पर भी आरोप लगाया कि अक्टूबर 2023 में सिरसिला के बुनकरों से एकत्र किए गए 58 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान अभी तक नहीं किया गया, जिससे बुनकरों की वित्तीय दशा और खराब हुई है।बुनकर संघों ने सरकार से अविलंब बकाये का भुगतान करने, कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा राहत/सब्सिडी की घोषणाकर बुनकरों की मदद करने का अनुरोध किया है ताकि उत्पादन जारी रह सके और रोज़गार सुरक्षित रहे।

मदनूर में हाईवे हादसा, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

मदनूर, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय राजमार्ग 161 पर मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में तीन दिहाड़ी मजदूरों की मौत हो गई। स्थानिक पुलिस अधिकारी मोहन रेड्डी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मदनूर मंडल के मेनूर गांव के समीप लच्छन गेट के पास एक बाइक मुख्य सड़क पर खड़ी लॉरी से टकरा गई।

मृतकों में बड़ा एकलारा गांव के नागु (48), सचिन (17) और नागलगांव के अशोक (21) शामिल हैं।

तीनों मजदूर मदनूर मंडल केंद्र में काम खत्म करके एक ही बाइक पर घर लौट रहे थे। दुर्घटना में सचिन की मौके पर ही मृत्यु हो गई। गंभीर रूप से घायल नागु और अशोक को स्थानीय लोग बांसवाड़ा अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी भी मृत्यु हो गई।

घटना से मृतकों के परिजन और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कर आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई जारी रखी जा रही है।

अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश

आसिफाबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि सरकारी अस्पतालों के माध्यम से जनता को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में आयोजित विकास समिति बैठक में उन्होंने बताया कि अस्पताल की क्षमता 50 बेड से बढ़ाकर 330 बेड कर दी गई है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति, आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था और राजीव आरोग्यश्री योजना के धन से आपातकालीन दवाइयों व ऑक्सीजन की खरीद की जा रही है।

कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में पार्किंग, मेडिकल शॉप, ज़ेरॉक्स तथा कैंटीन जैसी सुविधाएँ नियमों के अनुसार स्थापित करने के निर्देश दिए। इनसे होने वाली आय अस्पताल विकास में लगाई जाए। समिति ने मॉर्चरी वैन, एम्बुलेंस, ऑपरेशन थिएटर और अतिरिक्त स्टाफ की नियुक्ति के लिए सरकार को रिपोर्ट भेजने का निर्णय लिया।

पेद्दापल्ली: जिला अस्पताल ने राज्य स्तर पर जीते चार पुरस्कार

पेद्दापल्ली, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर तेलंगाना सरकार के वैद्य विधान परिषद पुरस्कारों में पेद्दापल्ली जिला अस्पताल ने राज्य स्तर पर चार पुरस्कार जीते। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने चिकित्सा टीम को हार्दिक बधाई दी।अधीक्षक व सिविल सर्जन (एनेस्थेसियोलॉजी) डॉ. के. श्रीधर को प्रथम पुरस्कार मिला। 3 हजार से अधिक आरोग्यश्री मामलों के लिए राज्य प्रथम स्थान पर दूसरा पुरस्कार, तेलंगाना डायग्नोस्टिक सर्विसेज में प्रथम स्थान पर तीसरा तथा रेडियोलॉजी विभाग की डॉ. संध्यारानी को चौथा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कलेक्टर ने अपने कक्ष में अधीक्षक, डॉक्टरों, नर्सिंग, पैरामेडिकल स्टाफ व स्वच्छता कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिए प्रोत्साहित किया तथा जनता को सरकारी अस्पतालों की निःशुल्क सुविधाओं का लाभ उठाने की सलाह दी।

जब गंगा-सरस्वती में विवाद हुआ

भारत में बहने वाली गंगा और सरस्वती नदियां वास्तव में स्वर्ग की देवीयां हैं। जो परसपर एक-दूसरी के शाप के कारण वर्तमान स्थिति को प्राप्त हुईं। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु की तीन पत्नियां लक्ष्मी, गंगा और सरस्वती थीं। एक बार लीला स्वरूप विष्णु जी ने गंगा जी के प्रति विशेष अनुराग प्रदर्शित किया। फलस्वरूप सरस्वती के मन में ईर्ष्या भाव उत्पन्न हो गया। इस पर उन्होंने भगवान विष्णु जी को खरी-खोटी सुनाईं, जिस पर विष्णु भगवान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की। जब सरस्वती ने गंगा जी को भी दुर्वचन कहने शुरू किए, तो भगवान उठकर प्रासन्द से बाहर चले गए। इस पर सरस्वती का क्रोध और भी भड़क उठा। उन्होंने गंगा के केश पकड़ लिए। लक्ष्मी जी पास में बैठीं अब तक शांत थीं। जब उन्होंने बीच में आकर दोनों को शांत करने का प्रयास किया, तो सरस्वती ने लक्ष्मी को भी गंगा की सहायिका मानकर उनका अपमान कर दिया तथा वृक्ष रूप हो जाने का शाप दे दिया। इधर, गंगा जी ने निरापराध लक्ष्मी को दंडित होते देख सरस्वती को भूतल पर जाकर नदी हो जाने का शाप दे दिया। सरस्वती भी कहां पीछे रहने वाली थीं। उन्होंने क्रोध से गंगा जी को शाप दिया कि वह भी भूतल पर मृतक प्राणियों की अस्थियां ढोने वाली नदी के रूप में प्रवाहित हों। गंगा तथा सरस्वती का विवाद काफी समय तक चलता रहा। कुछ समय पाकर भगवान विष्णु अपने पार्षदों सहित लौटे, तो पत्नियों की कलह और शाप का विवरण हुआ। विष्णु जी ने लक्ष्मी को शांत वृति, सहनशीलता और उदारता की प्रशंसा की तथा उन्हें सब में श्रेष्ठ बताया। भगवान विष्णु ने केवल लक्ष्मी को ही पत्नी रूप में अपने पास रखना उचित समझा। गंगा तथा सरस्वती के मर्यादा उल्लंघन करने के कारण विष्णु जी ने उनका त्याग करने का निर्णय लिया। वियोग की आवश्य मानी स्थिति से व्यथित होकर दोनों ही कातर स्वरों में शापों को शीघ्र निपटाने का उपाय पूछने लगीं।

सपने बताएँ आपकी जिंदगी

आधुनिक विज्ञान का यह मानना है कि मनुष्य अपनी अधूरी इच्छाओं को अपने सपनों में पूरा करता है जबकि ज्योतिष-शास्त्र का यह कहना है कि सपने मनुष्य को भविष्य की घटनाओं का संकेत देते हैं। जिस प्रकार पशु-पक्षी बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं को पहले से ही भाँप जाते हैं ठीक वैसे ही मनुष्य द्वारा रात्रि के अंतिम पहर में देखे गए स्वप्न भविष्य की घटनाओं का संकेत देते हैं। बस जरूरत है उन सपनों को ठीक ढंग से समझने की।

- स्वप्न में किसी स्त्री को बाल धोते हुए अथवा संवारते हुए देखना शीघ्र ही किसी तीर्थ स्थल की यात्रा का सूचक होता है। लेकिन स्वयं कंघी करना शरीर में किसी चोट की सूचना देता है।
- स्वप्न में किसी सुंदर स्त्री या पुरुष को देखना ठीक नहीं माना गया है जबकि बदसूरत या किसी अपंग व्यक्ति को देखना, रुके हुए कार्य में सफलता का सूचक होता है।
- किसी की शवयात्रा अथवा श्मशान में अंत्येष्टि क्रिया को देखना, परिवार में जल्दी ही मांगलिक कार्यों तथा आर्थिक लाभ का परिचायक है।
- मनुष्य अगर स्वप्न में वर्जिश करता हुआ दिखाई दे तो ऐसा व्यक्ति शीघ्र ही किसी रोग का शिकार हो जाता है।
- सपने में अगर आप खुद को आकाश में विचरण करते हुए दिखाई दें तो परिवार में किसी सदस्य की मानहानि की सूचना देता है। लेकिन खुद का धरती पर घूमना शीघ्र ही रोजगार प्राप्ति में सहायक होता है।
- स्वप्न में ज्योतिषी के पास जाना अथवा ज्योतिष से संबंधित कोई भी कार्य करना संतान को किसी-न-किसी रूप में कष्ट में डालता है।
- नींद में स्वयं को झाड़ू लगाते हुए देखना धन हानि या चोरी की सूचना देता है।
- स्वप्न में स्वयं को बारिश में भीगते हुए देखना हर तरह की व्याधि और संकट से मुक्ति का संकेत देता है।
- स्वप्न में बैंड या शहनाई का बजते हुए देखना दु:खद स्थितियों के आगमन का संकेत देता है।
- नींद में रोटी का खाना स्वयं के बीमार पड़ने का संकेत देता है, वहीं गरीब लोगों को रोटी का बाँटना आर्थिक स्थिति में वृद्धि करता है।
- सोते हुए विवाह का सेहरा पहनते हुए देखना पारिवारिक और विवाहित जीवन में अलगाव तथा झगड़े का संकेत देता है।
- आईने में अपना अक्स देखना अचल धन-संपत्ति प्राप्ति का संकेत देता है।
- स्वयं को स्वप्न में जूते-चप्पलों से पिटते हुए देखना शीघ्र ही व्यक्ति के मान-सम्मान में वृद्धि करता है। लेकिन किसी दूसरे को जूते से पीटना धन हानि और मान हानि की ओर संकेत करते हैं।

जब भगवान सूर्य का जन्म हुआ

सत्ताधिकार के लिए देवताओं और असुरों में शत्रुता थी। इसी बात को लेकर एक बार दैत्यों और देवताओं में भयानक युद्ध हुआ। यह संघर्ष अनेक वर्षों तक चलता रहा। युद्ध में असुर देवताओं पर भारी पड़ने लगे। वे पराजित हो गए। वन-वन भटकने लगे। देवताओं की स्थिति अत्यन्न दयनीय हो गई। उनकी ऐसी दुदर्शा देख कर उनके पिता महर्षि कश्यप और माता अदिति दुखी रहने लगे।

एक बार देवर्षि नारद घूमते-घूमते कश्यप जी के आश्रम की ओर आ निकले। वहां अदिति और महर्षि कश्यप को व्याकुल देख कर उन्होंने उनसे उनकी चिंता का कारण पूछा। अदिति बोली-देवर्षि! दैत्यों ने युद्ध में देवताओं को पराजित कर दिया है। इन्द्रादि देवगण भटक रहे हैं। हमें उनकी रक्षा करने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा। नारद जी बोले- माते। इस संकट से बचने का केवल एक उपाय है। आप उपासना करके भगवान सूर्य को प्रसन्न करें। उनसे पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान प्राप्त करें। केवल भगवान सूर्य नारायण के तेज के समक्ष ही दैत्य पराजित हो सकते हैं और देवताओं की रक्षा हो सकती है। अदिति सूर्य नारायण की तपस्या करने लगी। अदिति को तप करते अनेक वर्ष बीत गए। भगवान सूर्य नारायण ने अदिति की तपस्या भंग करने के लिए प्रयास किए पर वह तपस्या में लीन रही। अंत प्रसन्न होकर सूर्यदेव प्रकट हुए व बोले- हे देवि। मैं तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न हूं। मनवांछित वरदान मांगों। अदिति बोली- सूर्यदेव। मेरी केवल यह विनती है कि आप मेरे पुत्र के रूप में उत्पन्न होकर देवताओं की रक्षा करें। अदिति की बात कर सूर्यदेव बोले- तथास्तु देवि ऐसा ही होगा। अदिति का वरदान देकर सूर्यदेव अंतरध्यान हो गए।

एक बार महर्षि कश्यप और अदिति कुटिया में बैठे थे। तभी किसी बात पर क्रोधित होकर कश्यप ने अदिति के गर्भस्थ शिशु के लिए मृत शब्द का प्रयोग कर दिया। कश्यप ने जैसे ही मृत शब्द का उच्चारण किया। तभी अदिति के शरीर से दिव्य प्रकाश पुंज निकला। उस प्रकाश पुंज को देखकर कश्यप मुनि भयभीत हो गए और सूर्य देव से अपने अपराध की क्षमा मांगने लगे। तभी एक दिव्य आकाशवाणी हुई। 'मुनिवर! मैं तुम्हारे अपराध को क्षमा करता हूं। मेरी आशा से एक दिव्य बालक जन्म लेगा। जो तुम्हारी सभी इच्छाओं को पूर्ण करने के पश्चात ब्रह्माण्ड के मध्य में स्थित हो जाएगा।'

महर्षि कश्यप और अदिति ने वेद मंत्रों द्वारा प्रकाश पुंज की स्तुति आरंभ की। उचित समय आने पर उसमें से एक तेजस्वी बालक उत्पन्न हुआ। उसके शरीर से दिव्य तेज निकल रहा था। यही बालक 'आदित्य' और 'मार्तण्ड' आदि नामों से प्रसिद्ध हुआ। आदित्य वन-वन जाकर देवताओं को एकत्रित करने लगे। आदित्य के तेजस्वी और बलशाली स्वरूप को देख कर इन्द्रादि देवता उत्साहित हो गए तथा उन्होंने संगठित होकर, दैत्यों पर आक्रमण कर दिया।

आदित्य को देव सेना का सेनापति बनाया गया। आदित्य को देव सेना का सेनापति बनाया गया। आदित्य के तेज और बल के आगे दैत्य अधिक समय तक टिक नहीं सके। शीघ्र ही उनके पांव उखड़ गए। वे अपने प्राण बचा कर पाताल भाग गए। सूर्यदेव के आशीर्वाद से देवताओं का स्वर्ग पर पुन: अधिकार हो गया। सभी देवताओं ने आदित्य को जगत पालक के रूप में स्वीकार कर लिया तथा आदित्य ब्रह्माण्ड के मध्य में स्थित होकर ब्रह्माण्ड का कार्य संचालन करने लगे।

मानसिक शांति पाने के लिए....

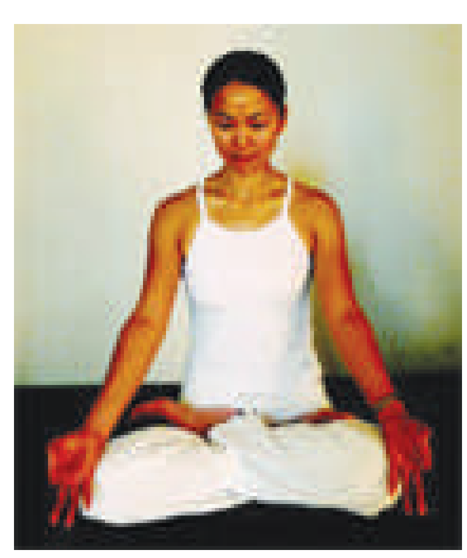

मनुष्य को धन-धान्य, यश, सम्पत्ति आदि प्राप्त हो जाएं पर मानसिक शांति प्राप्त न हो तो वह सब वैभव उसके लिए कष्टप्रद हो जाते हैं। अत: चित्त शांति के लिए निम्नलिखित प्रयोग करें।

प्रतिदिन प्रात:काल स्नान करके शुद्ध श्वेत वस्त्र धारण कर पवित्र आसन पर उत्तर की तरफ मुख करके बैठें। सामने एक पट्टे पर श्वेत वस्त्र बिछाकर उस पर ऊंकार का एक चित्र विराजमान करें। यह परमात्मा का एक परम शान्तिदायक प्रतीक है, ऐसी भावना करें।

प्रतीक के सामने गाय के घी का दीपक और धूपबत्ती जलाकर दीपक को अपने बाएं हाथ की ओर तथा धूपबत्ती को अपने दाहिने हाथ की ओर रखें।

इसके पश्चात दोनों हाथ जोड़कर मस्तक को झुकाकर 'ऊँ नम: सिद्धेभ्य:,ऊँ नम: सिद्धेभ्य:,ऊँ नम: सिद्धेभ्य:' बोलते हुए प्रणाम करें।

इसके पश्चात आगे लिखाहुआ श्लोक बोलकर मंगल भावना करें।

सर्वे वै सुखिन:संतु, सर्वेसंतु निरामया:।

सर्वे भद्राणिपश्यंतु मा कश्चिद धु:खभाग् भवेत।।

सभी सुखी हों, सभी रोगरहित बनें, सभी कल्याणमय वस्तुओं को देखें तथा कोई भी दुखी न हों। इसके बाद 'ऊँ शांति ऊँ' इस मंत्र की दस माला का जप करें. यह माला सूत की अथवा स्फटिक की होनी चाहिए तथा उसका संस्कार भी कर लेना चाहिए। रात को सोने से पहले 'ऊँ नम: सिद्धेभ्य:,ऊँ नम: सिद्धेभ्य:, ऊँ नम: सिद्धेभ्य:' मंत्र बोलकर तीन बार भगवान को नमस्कार करें। इस प्रकार प्रयोग करने से मानव को मानसिक शांति प्राप्त होती है एवं कई प्रकार की परेशानियां भी कम होती हैं। इस उपाय से आप मानसिक शांति का अनुभव करने लगेंगे.यह क्षणिक नहीं बल्कि स्थायी होगी.

पौधे, जो लाते हैं घर में सुख-समृद्धि

हरियाली फेंगशुई के सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। फेंगशुई के अनुसार स्वस्थ और सुंदर पौधे आपके घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को उत्साह और उमंग से सरोबार कर देते हैं।

फेंगशुई में पौधों को नौ आधारभूत सुरक्षा सावधानियों में से एक माना गया है। इसलिए घर के खाली हिस्सों में पौधे लगा देना चाहिए।

कैसे पौधे लगाएं ?

- चढने वाली बेलें जिन्हें क्लाइमबर्स कहा जाता है जैसे- मनी प्लांट को कोने में लगाकर उस जगह की उदासीनता को कम किया जा सकता है।
- घर के दक्षिण-पूर्व कोने को धन और समृद्धि का कोना माना जाता है, इसलिए यहां चौड़े पत्तियों वाले पौधे लगाना चाहिए।
- मुरझाए हुए या सूख गए पौधों को तुरंत हटा देना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा फैलती है।
- घर के सामने वाले हिस्से में कांटेदार या नुकीले पत्तों वाले पौधे नहीं लगाना चाहिए। वे नकारात्मक ऊर्जा को सहयोग करते हैं।

इन छोटी-छोटी बातों पर अमल करके आप प्राकृतिक हरियाली और सुख का अनुभव कर सकते हैं। सिर्फ पेड़-पौधों हमारे वातावरण को शुद्ध करने में सहायक हैं।

बारिश कराने में भी सिर्फ पेड़-पौधों की ही महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। अत: हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधों को लगाकर हरियाली बढ़ानी चाहिए।

घर में बांसुरी रखने के 8 फायदे

* आप नहीं जानते होंगे, बांसुरी को घर में रखने के ये 8 फायदे...

बांसुरी भगवान श्रीकृष्ण को बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको पकृति का अनुपम वरदान है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। आइए जानें...

* ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है।
* बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
* और जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
* फेंगशुई विद्या के अनुसार बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
* यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
* बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अत: घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
* ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
* ज्यो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अत: उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए।

जाने क्या है शिव के अर्द्धनारीश्वर रूप का सत्य

सृष्टि में नर और नारी की समानता का प्रतीक है भगवान शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप। जानें उसके पीछे की कहानी।

ब्रह्मा की समस्या

कहते हैं जब सृष्टि की संरचना के बाद ब्रह्मा जी ने मनुष्य का निर्माण किया तो उन्हें समझ आया कि ये तो एक शीघ्र अंत होने वाली रचना है क्योंकि उन्होंने सिर्फ पुरुष बनाये। सृष्टि को चलाने के लिए संतति की आवश्यकता है और उसके लिए स्त्री की, पर वो है ही नहीं। तब अपनी समस्या के समाधान के लिए वो शिव की शरण में पहुंचे और कठोर तप किया। ब्रह्मा की कठोर तपस्या से शिव प्रसन्न हुए और उनकी समस्या के हल के फ्ल में उन्होंने अपना अर्धनारीश्वर स्वरूप प्रगट किया। इस रूप में वे आधे शिव थे और आधे शिवा। इस तरह उन्होंने मानव को प्रजनन शील बनने क प्रेणना देकर सृजन का संदेश दिया।

स्त्री पुरुष समानता

इसके साथ ही उन्होंने अपने इस रूप से पुरूष और स्त्री की समानता के महत्व का भी उपदेश दिया। उन्होंने बताया कि स्त्री और पुरुष दोनों पकृति का अभिन्न अंग हैं और एक के बिना भी इसका विकास संभव नहीं है। अर्धनरनारीश्वर की आराधना का अर्थ है शिव अर्थात पुरुष और स्त्री यानि शक्ति का एका होना।

क्या है शिव और शक्ति का संबंध

शक्ति शिव की अभिभाज्य अंग हैं, यदि शिव नर के प्रतीक हैं तो शक्ति नारी की। वे एक दुसरे के पूरक हैं। शिव के बिना शक्ति का अथवा शक्ति के बिना शिव का कोई अस्तित्व नहीं है। शिव अकर्ता हैं, यानि वे संकल्प मात्र करते हैं, संकल्प सिद्धी शक्ति ही करती हैं। अगर शिव कारण हैं तो शक्ति कारक हैं, शक्ति जागृत अवस्था हैं जबकि शिव सुशुप्तावस्था। शक्ति मस्तिष्क हैं और शिव हृदय हैं।

रत्न पहनने पर भी लाभ क्यों नहीं?

अपनी ग्रह बाधाओं को दूर करने एवं ऐच्छिक कार्यों की सफलता के लिए मनुष्य रत्नों को धारण प्राचीन काल से ही करता आया है। आज जो मनुष्य एक या दो रत्नों को धारण किए हुए रहते हैं, फिर भी उन्हें दुखी देखा गया है, वे अनेक कठिनाइयों से संघर्ष करते रहते हैं। ऐसा क्यों?

शायद आप सोचेगें कि रत्न प्रभावशाली नहीं है या ज्योतिषी पंडित आदि ने गलत बताया है। ऐसा नहीं है, ऐसा तो इसलिए होता है कि या तो वे नकली रत्न धारण किए होते हैं या रत्न दोष पूर्ण होते हैं अथवा विधिवत धारण किए हुए नहीं होते हैं। यह भी हो सकता है कि उन्होंने अपने ग्रह से संबंधित सही रत्न को धारण न किया हो।

यह ठीक है कि आप ज्योतिषियों के बताए अनुसार विधिपूर्वक शुभ दिन या मुहूर्त में रत्न धारण करते हैं, परन्तु किसी-किसी की आदत होती है कि अपनी उंगली से अंगूठी निकाल कर दूसरी उंगली में डाल लेना या मेज पर निकाल कर नचाना। इससे उसका प्रभाव समाप्त हो जाता है, क्योंकि उंगली से निकालकर पुन: पहनने के कारण ज्योतिषी के द्वारा बताया गया मुहूर्त और दिन बदल जाता है। इसी प्रकार किसी को दिखाने के लिए अपनी उंगली से बार-बार अंगूठी निकालना भी अनुचित है।

रत्न धारण करते समय कुछ सावधानियां रखी जाएं तो निश्चित रूप से लाभ होगा:

धारण किए जाने वाले रत्न के स्वामी ग्रह और लग्नेश में मित्रता हो, द्वितीय और सप्तम भाव के स्वामी अपनी महादशा या अंतर्दशा में मारकेश के रूप में कार्य करते हैं। ये भारी देह कष्ट उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए जहां तक संभव हो इनके रत्न न धारण करें बल्कि इन ग्रहों को पूजा और दान आदि से शांति करें। शत्रु ग्रहों के रत्न एक साथ धारण न करें जैसे माणिक्य के साथ हीरा, नीलम व गोमेद निषिद्ध हैं क्योंकि सूर्य और शनि परस्पर शत्रु हैं।

मोती के साथ गोमेद नहीं धारण करना चाहिए। मूंगा के साथ हीरा, नीलम, व गोमेद न पहनें, पन्ना को मोती के साथ में न पहनें। बृहस्पति और राहु आपस में शत्रु हैं, अत: पुखराज के साथ गोमेद और हीरा धारण नहीं करना चाहिए। हीरा के साथ माणिक्य, मूंगा, व पुखराज नहीं पहनें। नीलम के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज धारण नहीं करना चाहिए। गोमेद और माणिक्य, मोती व मूंगा साथ न पहनें। लहसुनिया के साथ ऐसा कोई निषेध नहीं है।

रत्न धारण करते समय संबंधित ग्रह के मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए एवं शुभ दिन को धारण करना चाहिए जैसे- माणिक्य रविवार को धारण करना चाहिए। साथ में ऊं घृणि सूर्याय नाम: मंत्र का जाप करना चाहिए। माणिक्य स्वर्ण में जड़वाना चाहिए। मोती चांदी में पहनें। मूंगा ताम्बे में ऊं अं अंगारकाय नम: मंत्र के साथ मंगलवार को धारण करना चाहिए। पन्ना स्वर्ण व चांदी में ऊं बुं बुधाय नम: मंत्र के साथ बुधवार को पहनना चाहिए। पुखराज स्वर्ण में बृहस्पतिवार को ऊं बृं बृहस्पतये नम: मंत्र के साथ पहनें। हीरा स्वर्ण, चांदी या प्लेटिनम में ऊं शुं शुक्राय नम: मंत्र जाप कर शुक्रवार को धारण करना चाहिए।

नीलम लोहा या पंच धातु में शनिवार को ऊं शुं शनैश्चराय नम: के साथ पहनें। गोमेद अष्टधातु या चांदी में जुड़वाकर शुक्रवार या शनिवार को ऊं रां राहुवे नम: मंत्र जप कर धारण करें। लहसुनिया चांदी में ऊं कें केतवे नम: मंत्र के साथ बुधवार या शनिवार को धारण करना चाहिए।

रत्न जड़ी अंगूठी को धारण करने से पूर्व उसे शुद्ध करने के लिए कम से कम 24 घंटे तक कच्चे दूध या गंगा जल में डुबो कर रखें। अंगूठी धारण करने का शुभ समय सूर्योदय से एक घंटे तक होता है परन्तु बुधवार के अतिरिक्त शेष दिनों में एक घंटे तक होता है परन्तु बुधवार के अतिरिक्त शेष दिनों में दोपहर में अभिजित मुहूर्त भी शुभ माना गया है।

धूप, दीप, अगरबत्ती जला कर उस ग्रह की उपासना करके पूर्व की ओर मुंह करके अंगूठी पहननी चाहिए। स्नानादि द्वारा स्वच्छ एवं पवित्र होकर रत्न धारण करना चाहिए। बीमारी की स्थिति में रत्न नहीं धारण करें। इस प्रकार उक्त सावधानियों को ध्यान में रख कर रत्न धारण किया गया हो तो इच्छित लाभ प्राप्ति में संशय नहीं रहता।

क्या मानसिक रुप से ठीक नहीं ट्रंप..........अमेरिका में 25वां संशोधन लागू कर ट्रंप को हटने की उठी मांग

वाशिंगटन, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 25वां संशोधन लागू करने की मांग उठी है। ट्रंप ने ईस्टर की सुबह ईरान को टारगेट कर अपशब्दों से भरा पोस्ट ट्रुथ सोशल पर किया था। इसके बाद अमेरिकी लामेकर्स उनके खिलाफ 25वां अमेंडमेंट लागू करने की मांग कर रहे है। अमेरिकी कांग्रेस के लोगों का कहना है कि ट्रंप शायद मानसिक तौर पर ठीक नहीं हैं। अब खुले तौर पर बहस हो रही है कि क्या ट्रंप को 25वें संशोधन के तहत पद से हटा दिया जाएहै। खासतौर पर डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी और सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है।

25वें संशोधन की सबसे विवादित धारा 4 है। इसका इस्तेमाल अब तक किसी मौजूदा राष्ट्रपति को हटाने के लिए नहीं हुआ है। यदि उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सदस्य यह औपचारिक रूप से घोषित करते हैं कि राष्ट्रपति अपनी जिम्मेदारियां निभाने में सक्षम नहीं हैं, तब उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति बन सकते हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। यदि राष्ट्रपति खुद को सक्षम बताते हैं और उपराष्ट्रपति व कैबिनेट असहमत होते हैं, तब इसका फैसला बहुमत से होता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि धारा 4 का उपयोग अब तक किसी राष्ट्रपति को उनकी इच्छा के विरुद्ध हटाने के लिए नहीं किया गया है। इसका प्रयोग मुख्य रूप से अस्थायी तौर पर शक्तियां सौंपने के संदर्भ में ही हुआ है। वर्तमान में, भले ही डेमोक्रेटिक नेता ट्रंप को हटाने को लेकर बयान दे रहे हों, लेकिन न उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और न ही कैबिनेट के अन्य सदस्यों की ओर से ऐसा कोई संकेत मिला है।

25वां संशोधन क्या है – अमेरिकी संविधान का 25वां संशोधन राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निधन, पद से हटने, इस्तीफे या असमर्थता की स्थिति में उत्तराधिकार की प्रक्रिया तय करता है। इसकी धारा 1 के अनुसार, यदि राष्ट्रपति को पद से हटा दिया जाता है, उनकी मृत्यु हो जाती है या वे इस्तीफा दे देते है, तब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति बन जाते हैं। धारा 2 उपराष्ट्रपति के पद के खाली होने पर लागू होती है, जिसमें राष्ट्रपति किसी व्यक्ति को नामित करते हैं और उस शख्स को कांग्रेस की मजूरी लेनी होती है। धारा 3 के तहत राष्ट्रपति अपनी इच्छा से अस्थायी रूप से अपनी शक्तिया उपराष्ट्रपति को सौंप सकते हैं।

क्या है इतिहास – 25वां संशोधन 1967 में राष्ट्रपति जान एफ. केनेडी की हत्या के बाद लाया गया था, जब उत्तराधिकार को लेकर भ्रम पैदा हुआ था। पहला उपयोग 1973 में हुआ, जब राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने उपराष्ट्रपति स्पाइरो एग्न्यू के के इस्तीफे के बाद जेराल्ड फोर्ड को नामित किया। इसके एक साल बाद निक्सन के इस्तीफे के बाद फोर्ड राष्ट्रपति बने, तब भी धारा 1 लागू हुई। रोनाल्ड रीगन, जार्ज डब्ल्यू बुश और जो बाइडेन ने धारा 3 का इस्तेमाल किया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र करेंगे विदेशी राजदूतों से सामूहिक संवाद

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह आज काठमांडू में पदस्थ रहे करीब 20 देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक संवाद करेंगे। सरकार गठन के बाद यह पहली बार है जब विभिन्न देशों के राजदूत सामूहिक रूप से बालेन्द्र सरकार के साथ बैठक करने जा रहे हैं। इस समूह चर्चा में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भी सहभागी होने वाले हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य नेपाल की ताजा राजनीतिक स्थिति और सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जानकारी देना है। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार, इस चर्चा के लिए भारत, चीन, अमेरिका, जापान और ब्रिटेन सहित एक दर्जन से अधिक देशों के राजदूतों को प्रधानमंत्री कार्यालय में आमंत्रित किया गया है। पदभार संभालने के बाद से प्रधानमंत्री शाह ने विदेशी प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं की है, जबकि पारंपरिक शिष्टाचार भेंट के लिए बार-बार अनुरोध किए गए थे। आमतौर पर, नए प्रधानमंत्री पदभार ग्रहण करने के कुछ दिनों के भीतर ही राजदूतों को अलग-अलग अपने कार्यालय या निवास पर आमंत्रित करते हैं—जिसे अकसर अत्यधिक औपचारिकता के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार असीम शाह ने कहा, पहले राजदूतों की अत्यधिक आवाजाही और सामान्य कूटनीतिक मर्यादा से परे आसान पहुंच की एक संस्कृति थी। इस बार उस परंपरा को समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा, विदेश मंत्री शिशिर खनाल की उपस्थिति में यह समूह संवाद कूटनीतिक सहभागिता के लिए एक नया मानक स्थापित करने का प्रयास है।

इजरायल में नेपाली दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया हाई अलर्ट

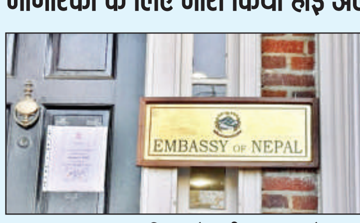

काठमांडू। इज़राइल स्थित नेपाली दूतावास ने इज़राइल के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे नेपाली नागरिकों के लिए एक हाई अलर्ट संदेश जारी करते हुए उनसे संयमित, सतर्क और सुरक्षित तरीके से रहने की अपील की है। नेपाली दूतावास ने बुधवार आठ बिंदुओं वाला एक अत्यावश्यक परामर्श जारी कर यह आग्रह किया है। आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए दूतावास ने द्वितीय सचिव कुमार बहादुर श्रेष्ठ और तृतीय सचिव संज कुमार शाह से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क करने को कहा है। दूतावास के द्वारा जारी बयान के अनुसार, द्वितीय सचिव कुमार बहादुर श्रेष्ठ का संपर्क नंबर +972-535360748 और तृतीय सचिव संज कुमार शाह का संपर्क नंबर +972-545582077 है। दूतावास ने होम फ्रंट कमांड सहित इज़राइल सरकार और उसके आधिकारिक निकायों द्वारा जारी निर्देशों और सूचनाओं का पालन करने का भी अनुरोध किया है। साथ ही, अलर्ट एसएमएस प्राप्त होने या खतरे का संकेत देने वाले सायरन बजने पर लापरवाही न करते हुए तुरंत अपने निकटतम बम शेल्टर में जाने की सलाह दी गई है। इजराइल में रह रहे नेपाली नागरिकों से अपने पासपोर्ट, पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक कार्ड आदि महत्वपूर्ण दस्तावेज हमेशा अपने साथ रखने और ताज़ा घटनाक्रम की नियमित जानकारी लेते रहने को भी कहा गया है।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर हुमायूं कबीर का बयान...........अतीत की गलतियों को न दोहराया जाए

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान सरकार ने भारत के साथ संबंधों में नई शुरुआत करने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध लोगों से लोगों पर केंद्रित होने चाहिए और यह सिर्फ राजनीतिक या व्यक्तिगत स्तर तक सीमित न रहें। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अतीत की गलतियों को न दोहराया जाए। विदेश मामलों के सलाहकार कबीर का बयान भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के प्रधानमंत्री रहमान से 6 अप्रैल की मुलाकात के बाद आया। बैठक में दोनों पक्षों ने भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन के माध्यम से ऊर्जा सहयोग पर चर्चा की। यह कदम संकेत देता है कि दोनों देशों ने आपसी भरोसे और स्थिर सहयोग को प्राथमिकता देना चाहते है। मंगलवार से बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान का भारत दौरा होने वाला है। वे भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करने वाले है। इस दौरे के दौरान गंगा जल संधि के नवीनीकरण, ऊर्जा सहयोग, और व्यापार प्रतिबंधों को हटाने की मांग प्रमुख चर्चा का विषय होगा।

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर हमले रोके होर्मुज खुलेगा, दो हफ्ते का संघर्ष विराम प्रभावी

वाशिंगटन, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका आखिरकार दो सप्ताह के संघर्ष विराम (सीज फायर/ युद्ध विराम) पर सहमत हो गया। इस पर इजराइल ने भी हां कर दी है। दोनों ने मध्यस्थ देशों का मान रख लिया और अब ईरान के साथ आमने-सामने की बातचीत की तैयारी की जा रही है। 28 फरवरी से ईरान के साथ छिड़े युद्ध की लपटों में अमेरिका और इजराइल के मददगार देश भी झुलस चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल ट्रुथ पर दो हफ्ते के युद्ध विराम के ऐलान से दुनिया ने बड़ी राहत महसूस की है। अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले रोक दिए हैं।

सीएनएन, सीबीएस न्यूज, अल जजीरा, दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन अब ईरान के साथ सीधी (आमने-सामने की) बातचीत की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संभवत: उप राष्ट्रपति जेडी वैंस करेंगे। इसका मकसद दीर्घकालिक समझौते का प्रारूप तैयार करना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने माना कि इस समय आमने-सामने की बातचीत की चर्चा चल रही है। उन्होंने साफ किया कि इसकी अंतिम घोषणा राष्ट्रपति या व्हाइट हाउस करेंगे।

कुछ अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक संभवत: पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होगी। इन अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकाफ, दामाद जेरेड कुशनर और उप राष्ट्रपति जेडी वैंस के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि वैंस इस समय हंगरी के दौरे पर हैं। उधर, ईरान के खिलाफ शुरू किए सैन्य अभियान में अमेरिका के सहयोगी इजराइल के अधिकारी ट्रंप के रुख में अचानक आए बदलाव से आश्चर्यचकित हैं। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप की सहमति पर अपनी हां कर दी है। इससे साफ हो गया है कि इजराइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अनुसरण करते हुए इस संघर्ष विराम का पालन करेगा।

इस बीच एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के अंदर हमले रोक दिए हैं। ईरान ने कहा है कि संघर्ष विराम के दौरान उसकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के आवागमन को नियंत्रित करेगी। ईरान की सर्वोच्च

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान की 10 सूत्री योजना को स्वीकार कर लिया गया है। यह योजना कुछ बुनियादी मामलों पर जोर देती है, जैसे कि ईरान की सशस्त्र सेनाओं के समन्वय के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का नियंत्रित आवागमन। बयान में कहा गया है कि इससे ईरान को एक विशिष्ट आर्थिक और भू-राजनीतिक दर्जा प्राप्त होगा।

ईरान के विदेशमंत्री सैयद अब्बास अरागाची ने कहा कि इन दो हफ्तों के दौरान, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का सुरक्षित आवागमन ईरान की सशस्त्र सेनाओं के साथ समन्वय और तकनीकी सीमाओं को ध्यान में रखते हुए ही संभव हो पाएगा। उन्होंने इस संघर्ष विराम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर की भूमिका की तारीफ की है। इससे पहले करीब तीन बजे खाड़ी के कई देशों ने कहा था कि वह पिछले एक घंटे से मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यहां यह महत्वपूर्ण है कि यह अल्पकालिक युद्ध विराम ट्रंप की हमले शुरू करने की समय सीमा खत्म होने से कुछ घंटे पहले हुआ। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान होर्मुज को नहीं खोलता तो उसे रातों रात तबाह कर एक सभ्यता का अंत कर दिया जाएगा। ट्रंप की धमकी से दुनिया भर में खलबली मच गई। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पर कहा, ऐसा कोई भी सैन्य उद्देश्य नहीं है जो किसी समाज के इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण विनाश या आम नागरिकों को जानबूझकर कष्ट पहुंचाने को सही ठहरा सके। पोप लियो ने कहा कि ये धमकियां वास्तव में अस्वीकार्य हैं। इस बीच, इजराइली अधिकारियों ने कहा है कि ईरान पर हमला रोक दिया गया है।

फ्रांस ने चालाकी से अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ट्रांसफर किया अपना सोने का भंडार

पेरिस, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

फ्रांस ने अमेरिका में रखे अपने पूरे स्वर्ण भंडार को पेरिस वापस स्थानांतरित कर लिया है। इस प्रक्रिया में सोने को जहाजों या विमानों से महासागर पार नहीं भेजा गया, बल्कि फ्रांस के केंद्रीय बैंक आफ फ्रांस, ने एक बेहद चतुर वित्तीय रणनीति का इस्तेमाल किया, जिससे उसने न केवल अपना पूरा खजाना सुरक्षित कर लिया, बल्कि भारी मुनाफा भी कमा लिया। इस घटना ने दुनिया में बहस छेड़ दी है कि क्या देशों का अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर से भरोसा उठ गया है या यह बदलती वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का संकेत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंक आफ फ्रांस ने सोने के भौतिक परिवहन और उसे रिफाइन करने से जुड़े भारी जोखिम और लागत से बचने के लिए एक अनूठा तरीका अपनाया। जुलाई 2025 से जनवरी 2026 के बीच, बैंक ने न्यूयार्क में रखे अपने 129 टन पुराने और गैर-मानक सोने के बिस्कुटों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच दिया। यह वह समय था जब सोने की

क्या फेडरल रिजर्व से उठ गया भरोसा या बदलती वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का है संकेत

कीमतें रिकार्ड ऊंचाई पर थीं, जिससे बैंक को अधिकतम लाभ हासिल हुआ। इस बिक्री से मिली भारी-भरकम राशि का इस्तेमाल बैंक ने यूरोपीय बाजार से उच्च गुणवत्ता वाला नया सोना खरीदने में किया और उसे सीधे पेरिस की सुरक्षित तिजोरियों में जमा कर दिया। इस पूरी प्रक्रिया में कुल 26 अलग-अलग लेनदेन शामिल थे, जिसके परिणामस्वरूप बैंक आफ फ्रांस को 12.8 बिलियन का मुनाफा मिला। इस रणनीतिक फैसले ने बैंक की वित्तीय स्थिति को नाटकीय रूप से बदल दिया। जहां 2024 में बैंक को 7.7 बिलियन का घाटा हुआ था, वहीं इस कदम के बाद 2025 में उसने 8.1 बिलियन का शुद्ध मुनाफा कमाया। अब फ्रांस का पूरा आधिकारिक स्वर्ण भंडार, जो करीब 2,437 टन है, पेरिस में मौजूद है।

अमेरिका के रेस्क्यू आपरेशन के बीच में चीन ने कर दिया खेल, दुनिया हैरान

बीजिंग। जब दुनिया की नजरें एक तरफ अमेरिका के रेस्क्यू आपरेशन पर टिकी थी। जहां एफ15 ईगल के पायलट को बचाने की जद्दोजहद चल रही थी। उसी वक्त एक ऐसा खेल हुआ जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया और यह खेल चुपचाप हुआ। बिना शोर के और सीधे अमेरिका को यहां पर चैलेंज दिया गया। यह दावा किया गया कि चीन ने ईरान में अपने विमान भेजे और उन्हीं विमानों में हथियार भी पहुंचाए साथ ही ईरान का जो यूरेनियम था वो भी बाहर निकाल लिया। रिपोर्ट्स और चर्चाओं में यह दावा सामने आ रहा है कि चीन के कार्गो विमान ईरान पहुंचे। ऊपर से लाजिस्टिक सपोर्ट दिख रहा था, लेकिन अंदर क्या था यह सबसे बड़ा सवाल अब भी बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि इन विमानों में मिसाइल के पार्ट्स, डिफेंस इक्विपमेंट भेजा गया और वापसी में ईरान का संवेदनशील यूरेनियम साथ ले गया। अगर यह सच है तो इसके पीछे का गेम क्या है अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करना चाहता है। यूरेनियम सबसे बड़ा टारगेट है अमेरिका का। अगर चीन उसे अपने पास ले जाता है तो सीधे-सीधे इसे अमेरिका को चैलेंज करना है और अमेरिका को यह मैसेज देना है कि अब अगर हिम्मत है तो चीन से इसे लेकर दिखाए यानी ईरान को भी बचाया और खुद को भी एक बड़ी स्ट्रेटेजिक पोजीशन पर चीन यहां पर ले आया।

महिला ने किया मौत के बाद की दुनिया देखने का दावा

न्यूर्याक, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के नार्थ कैरोलिना की रहने वाली पैमेला नैंस ने चौकाने वाला दावा किया है कि वह कुछ समय के लिए मौत के बाद की दुनिया में पहुंच गई थीं और वहां का अनुभव बेहद अलग और भावुक करने वाला था। उनकी वहां अपने माता-पिता या किसी रिश्तेदार से मुलाकात नहीं हुई, बल्कि सिर्फ अपने पालतू कुत्ते से सामना हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, साल 1990 में महज 22 साल की उम्र में पैमेला गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थीं। उनके शरीर में अंदरूनी रक्तस्राव हो रहा था, जिसकी उन्हें जानकारी नहीं थी। अचानक वह अपने घर में गिर पड़ीं और उनकी सांसें थम गईं। डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, लेकिन करीब चार दिन बाद वह फिर से जीवित हो उठीं। इस दौरान के अपने अनुभव को उन्होंने नियर डेथ एक्सपीरियंस के रूप में साझा किया। पैमेला के अनुसार, जैसे ही उनकी आत्मा शरीर से अलग हुई, वह एक बेहद शांत और सुंदर जगह पर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि वह स्थान किसी हरी-भरी घाटी जैसा था, जहां चारों ओर पेड़-पौधे, फूल और असीम शांति थी। वहां एक विशाल ट्री आफ लाइफ भी नजर आया। हालांकि इस दौरान उन्हें कोई भी मानव रिश्तेदार नहीं दिखा, जो उनके लिए सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात थी। इसी बीच उनके सामने कई जानवर दिखाई दिए, जो बेहद स्नेह और

अपनापन जता रहे थे। कुछ ही देर में उन जानवरों के बीच से रास्ता बनता हुआ उनका पालतू राटवीलर कुत्ता होली सामने आया, जिसकी कुछ घंटे पहले ही मौत हुई थी।

पैमेला ने बताया कि अपने कुत्ते को देखकर वह भावुक हो गईं और उन्हें अपार खुशी महसूस हुई। यह मुलाकात उनके लिए बेहद खास और यादगार रही। कुछ समय बाद डाक्टरों की कोशिशों से पैमेला को दोबारा जीवन मिला। होश में आने के बाद उन्होंने अपने परिवार को पूरा अनुभव बताया। हालांकि वह इस बात का जवाब नहीं दे पाईं कि उन्हें अपने माता-पिता या अन्य रिश्तेदार क्यों नहीं दिखाई दिए। उनकी यह कहानी अब सोशल मीडिया और यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रही है। जहां कुछ लोग इसे आत्मा और परलोक से जुड़ा सच्चा अनुभव मान रहे हैं, वहीं कई लोग इसे दिमाग की गतिविधियों या भ्रम का परिणाम बता रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे अनुभव दुनिया भर में हजारों लोग बता चुके हैं, जिनमें रोशनी की सुरंग, जीवन की झलकियां या प्रियजनों से मुलाकात जैसी बातें सामने आती हैं। पैमेला नैंस का यह अनुभव इसलिए अलग माना जा रहा है, क्योंकि इसमें उन्हें केवल अपने पालतू जानवर से मुलाकात हुई।

अमेरिका ने बनाया ईए37बी कंपास काल जो कर देगा कम्युनिकेशन सिस्टम को जाम

इलेक्ट्रानिक वारफेयर के समय में सबसे बड़ा हथियार, ताकत नहीं दिमाग की लड़ाई

वाशिंगटन, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

आधुनिक दौर में युद्ध इलेक्ट्रानिक वारफेयर है यानी दुश्मन को मारने से पहले उसे अंधा और बहरा बना देना। इसी रणनीति के तहत अमेरिका ने एक ऐसा हथियार तैयार किया है जो बिना गोली चलाए ही दुश्मन की पूरी डिफेंस सिस्टम को बेकार कर सकता है। इसका नाम है ईए37बी कंपास काल। यह खतरनाक सिस्टम है दरअसल यह एक एडवांस इलेक्ट्रानिक अटैक एयरक्राफ्ट है जिसका मुख्य काम है दुश्मन के कम्युनिकेशन सिस्टम को जाम कर देना। रडार सिग्नल को ब्लाक कर देना। मिसाइल गाइडेंस को खराब कर देना यानी दुश्मन के पास हथियार तो होंगे, लेकिन

वह उन्हें सही से इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस एयरक्राफ्ट में लगे होते हैं हाई पावर इलेक्ट्रानिक जैमर्स। जब यह एक्टिव होता है तो रेडियो फ्रीक्वेंसी पर हमला करता है। सिग्नल को डिस्टर्ब कर देता है और फिर फेक सिग्नल जनरेट कर देता है। इसका असर यह होता है कि रडार गलत जानकारी दिखाने लगता है। असली टारगेट की पहचान मुश्किल हो जाती है और मिसाइल गलत दिशा में जाने लगती है यानी बिना बम गिराए ही पूरा डिफेंस सिस्टम ठप। अब ईरान ने पिछले कुछ सालों में अपनी मिसाइल और ड्रोन ताकत को काफी बढ़ाया, लेकिन अमेरिका की रणनीति बहुत अलग है। सीधे टकराने के बजाय पहले दुश्मन के सिस्टम को कमजोर करो। अगर रडार ही काम नहीं करेगा तो मिसाइल किसे रोकेगी यही वजह है कि इलेक्ट्रानिक वारफेयर के समय में सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। यह ताकत नहीं दिमाग की लड़ाई है। बता दें भारत पहले से अग्नि मिसाइल सीरीज पर काम कर रहा है और लगातार अपनी स्ट्राइक क्षमता बढ़ा रहा है, लेकिन भविष्य की लड़ाई में सिर्फ मिसाइल काफी नहीं। जरूरत होगी इलेक्ट्रानिक जैमिंग, साइबर अटैक, रडार, डिसरप्शन। सोचिए अगर भारत एक मिसाइल लान्च करे और उसी समय दुश्मन का रडार जाम हो जाए तो क्या होगा एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइल को देख ही नहीं पाएगा। इंटरसेप्ट लान्च नहीं हो पाएगा। टारगेट हिट होने की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी यानी यह एक डबल अटैक। भारत भविष्य में अपनी सबमरीन आधारित मिसाइलों से भी ऐसी टेक्नोलाजी जोड़ सकता है। समुंदर के अंदर से मिसाइल लान्च, ऊपर से रडार जाम, दुश्मन को कुछ पता नहीं चला और यही होगी असली साइलेंट स्ट्राइक। खैर ईए37 कंपास काल जैसी टेक्नोलाजी यह दिखाती है कि भविष्य की लड़ाई अब सिर्फ हथियारों की नहीं रही बल्कि इलेक्ट्रानिक कंट्रोल की है। जो देश दुश्मन के सिस्टम को जाम कर सकता है वही असली विजेता होगा।

कृषक कल्याण के लिए हमारी सरकार ने उठाए ठोस कदम : भजनलाल शर्मा

करौली,08 अप्रैल (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जब किसान समृद्ध होगा तब ही देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए हमारी सरकार कृत संकल्पित है। हमारी प्राथमिकता है कि किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध जल एवं बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसी दिशा में प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। वहीं, राम जल सेतु लिंक परियोजना का मार्ग प्रशस्त किया है जिससे 17 जिलों के किसानों को सिंचाई एवं पेयजल के लिए भरपूर पानी उपलब्ध हो सकेगा। शर्मा बुधवार को करौली जिले में टोडाभीम के नांगल शेरपुर गांव में किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दो महत्वपूर्ण मार्गों करीरी-गाजीपुर-भैरोजी से राजौर वाया मेरेडा-खेडी जैचडी-माचडी और पथवारी से घासीराम बाबा आश्रम कदम खुण्डी वाया मातासूला-पाडली खुर्द सड़क निर्माण करने की एवं नांगल शेरपुर तहसील बालघाट में राजकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की। उन्होंने लपावली गांव में एनीकेट निर्माण की मांग पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को व्यवहार्यता रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की हमारी सरकार किसान, मजदूर, युवा और महिला वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रही है। आधुनिक कृषि तकनीक अपनाएं किसान

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी उपलब्ध करवाने के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना व यमुना जल समझौते का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके साथ ही, आईएनजीपी, गंगनहर और सोम-कमला-अम्बा सहित अनेक परियोजनाओं के सुदृढ़ीकरण के कार्य भी किए जा रहे है। इसके साथ ही राज्य सरकार प्रदेश में कृषि के विकास का रोडमैप भी बना रही है। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने,मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार खाद प्रयोग करने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भूमि की उर्वरता बनाए रखने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि रोजगार प्रदाता बने, इसके लिए हमारी सरकार युवा नीति के माध्यम से ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवा रही है। वहीं, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एमओयू के धरातल पर उतरने से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए पेपरलीक के आरोपी आज सलाखों के पीछे हैं। हमारी सरकार के समय एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार किसानों और पशुपालकों के सशक्तीकरण के लिए निरतंर कार्य कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि में राज्य सरकार ने 3 हजार रुपये अतिरिक्त जोड़कर इसे 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष कर दिया है। गेहूं की एमएसपी खरीद पर अतिरिक्त बोनस दिया जा रहा है, वहीं 53 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज मुक्त ऋण किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अलावा बिजली बिलों पर भी सब्सिडी और 2 लाख से अधिक नए कृषि कनेक्शन जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 65 हजार 400 सोलर पंप लगाए गए हैं, जिन पर 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। ड्रिप एवं फव्वारा संयंत्र लगवाने के लिए 957 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है।पशुओं के इलाज के लिए 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन संचालित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पशुपालकों को सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 17 लाख से अधिक पशुओं का निशुल्क बीमा किया जा चुका है और गांवों में पशुओं के घर पर ही इलाज के लिए 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन सेवा दे रहे हैं।

वहीं राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से पशुपालक परिवारों को 709 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने गत सरकार की तुलना में अधिक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के 25 माह के कार्यकाल में 35 हजार 368 फार्म पौंड बनाए, जबकि गत सरकार ने पहले 25 माह में केवल 8 हजार 152 फार्म पौंड बनाए हैं। इसी तरह हमने 25 माह के कार्यकाल में फार्म पौंड पर कृषकों को 303 करोड़ रुपये का अनुदान दिया और गत सरकार उस समयावधि में केवल फार्म पौंड पर कृषकों को 48 करोड़ रुपये का अनुदान दिया।शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने करौली जिले के विकास के लिए 2 हजार 200 करोड़ रुपये से अधिक की बजट घोषणाएं की है। 60 करोड़ रूपये की लागत से सलेमपुर से बालोती-डाबरा-शेखपुरा-गोठरा-बरवासन देवी-नरौली सड़क मय हाईलेवल ब्रिज का काम प्रारम्भ हो चुका है। 25 करोड़ रूपये की लागत से नादोती-श्रीमहावीरजी खेड़ा रोड, गम्भीर नदी पर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। उन्होंने कहा कि 22 करोड़ रुपये लागत से मोठियापुरा से जगर वाया हरिरामपुरा सड़क मार्ग के विकास सहित कई विकास कार्य किए जा रहे हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में रामजल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों में सिंचाई और पीने के लिए भरपूर पानी मिलेगा।

शिकायतों में लापरवाही पर सख्ती, चार कार्मिक निलंबित

सचिव कृष्ण कुणाल का 181 कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण

जयपुर,08 अप्रैल (एजेंसियां) । राज्य सरकार द्वारा आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं गुण-वत्तापूर्ण निस्तारण के प्रति अपनाई जा रही सख्त नीति के तहत ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासन सचिव ने टोंक जिले के परिवादी शिवराज एवं ब्यावर जिले के परिवादी शेरसिंह से दूरभाष पर संवाद किया। दोनों परिवादियों ने अवगत कराया कि महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत ग्राम पंचायत में नवीन जॉब कार्ड हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के उपरांत भी कई माह से जॉब कार्ड जारी नहीं किया गया है। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए कुणाल ने रामसागर मीणा, कनिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत सीन्दरा, पंचायत समिति निवाई (टोंक), जितेन्द्र छाबा, ग्राम विकास अधिकारी तथा रामदेव चौधरी, कनिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत सेवरिया (ब्यावर) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने एवं उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार इन्द्रसिंह, वरिष्ठ सहायक, ग्राम पंचायत सम्बाडिया, पंचायत समिति बिलाड़ा (जोधपुर) को राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवाद के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया।

शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्राप्त परिवादों के विषय, औसत निस्तारण अवधि एवं निस्तारित प्रकरणों के संतुष्टि स्तर का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुण-वत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।कुणाल ने संपर्क पोर्टल पर विभाग से संबंधित 10 प्रमुख विषयों की समीक्षा करते हुए विभाग की नवीन योजनाओं को भी पोर्टल पर शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज सभी प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए तथा लंबित प्रकरणों के लिए संबंधित कार्मिक की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

राजस्थान में नाइट हॉल्ट का दौर फिर शुरू : अब एयरकंडीशंड दफ्तर छोड़ जिलों में खाक छानेंगे आला अफसर

जयपुर,08 अप्रैल (एजेंसियां) । राजस्थान में जिलों में जाकर नाइट हॉल्ट यानि रात्रि विश्राम करने का दौर फिर लौट आया है। लेकिन, अब आला अफसरों को महीने में कम से कम 8- 10 दिन मुख्यालय से बाहर रहना होगा। भजनलाल सरकार ने प्रदेश की नौकरशाही की कार्यशैली को और अधिक जवाबदेह और जमीन से जोड़ने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की ओर से जारी इस नए सर्कुलर के बाद प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकांश अफसरों का तर्क है कि भारत सरकार की मीटिंग, राज्य सरकार की मीटिंग, जन सुनवाई, विभागीय समीक्षा मीटिंग समेत पहले ही काम का काफी लोड रहता है। अब 8 से 10 दिन बाहर रहने से कार्यालयों में पेंडेंसी बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। लोगों के काम नहीं होंगे तो जनता की नजरों में सरकार की छवि खराब ही होगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा 7 अप्रैल को जारी ताजा सर्कुलर के अनुसार, अब शासन सचिवों को केवल फाइलों तक सीमित न रहकर फील्ड में उतरना होगा। नए आदेशों के तहत अधिकारियों के लिए जिलों में नाइट हॉल्ट और नियमित दौरों को अनिवार्य कर दिया गया है।

इस आदेश का सबसे बड़ा पहलू यह है कि अब अधिकारियों को अपनी परफॉरमेंस की जानकारी मुख्य सचिव को भेजे जाने वाले मासिक डीओ में भी देनी होगी। इसका सीधा मतलब है कि दौरों में कोताही बरतने वाले अफसरों की एसीआर (-उठ) और रेटिंग पर इसका असर पड़ सकता है।

सरकार का स्पष्ट संदेश है कि जन समस्याओं का समाधान केवल सचिवालय के कमरों में बैठकर नहीं, बल्कि धरातल पर जाकर ही संभव है। 'टाइम्स पोर्टल' के माध्यम से इन दौरों की पारदर्शिता भी सुनिश्चित की गई है।नए सर्कुलर के अनुसार अब सभी शासन सचिवों को महीने में कम से कम 4 दिन अलग-अलग जिलों का दौरा करना होगा और जयपुर से बाहर 4 रातें गुजारनी होंगी। प्रत्येक सचिव को हर महीने एक संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक लेना अनिवार्य है।

हरियाणा को एआई हब बनाने की तैयारी, 474 करोड़ की योजना पर सीएम सैनी की समीक्षा

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां) । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा एआई डेवलपमेंट प्रोग्राम की प्रगति का आकलन करने के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। लगभग 474 करोड़ की महत्वाकांक्षी पहल को विश्व बैंक के वित्तीय सहयोग से पीपीपी मॉडल पर लागू किया जा रहा है। बैठक में एमडी H-RTRON जे गणेशन के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि प्रोग्राम की प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट जनवरी 2026 में भारत सरकार के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा अनुमोदित की जा चुकी है।

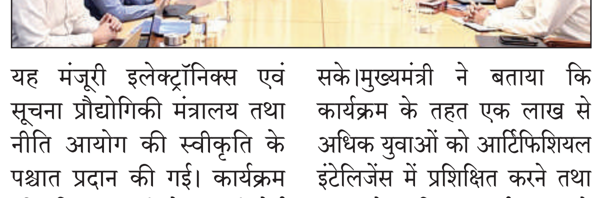

यह मंजूरी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा नीति आयोग की स्वीकृति के पश्चात प्रदान की गई। कार्यक्रम की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आगामी जून 2026 तक प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए, ताकि राज्य के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।मुख्यमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के तहत एक लाख से अधिक युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रशिक्षित करने तथा 100 से अधिक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल भारतीय एआई मिशन के स्किलिंग एवं वर्कफोर्स डेवलपमेंट, स्टार्टअप फाइनेंसिंग एवं इनक्यूबेशन, कंप्यूटर एवं डेटा सेट, उपयोग मामलों एवं एप्लिकेशन तथा एथिकल एआई गवर्नेंस सहित पांच प्रमुख स्तंभ पर आधारित है।बैठक में बताया गया कि विश्व बैंक मिशन टीम के 6 एवं 7 अप्रैल को पंचकूला में हुए दो दिवसीय दौरा किया । दौरे के दौरान विभिन्न विभागों से एआई के संभावित उपयोग मामलों की पहचान करने को कहा गया है। इसमें विभागों को अपने सुझाव प्रस्तुत करने हेतु 15 दिनों का समय दिया गया है, जिसके बाद प्राथमिकता वाले उपयोग मामलों को अंतिम रूप दिया जाएगा। राज्य सरकार एआई इनोवेशन सैंडबॉक्स स्थापित करने की दिशा में भी कार्य कर रही है, जो निवेश से पूर्व परीक्षण प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा।

नई श्रम संहिताओं के बाद हरियाणा देश का पहला राज्य, जहां श्रमिकों के वेतन में रिकॉर्ड हुई वृद्धि : अनिल विज

चंडीगढ़, 08 अप्रैल (एजेंसियां) । हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज राज्य सरकार ने श्रमिकों को दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेजेज) की दरों में वृद्धि करके एक तोहफा दिया हैं और यह वेतन वृद्धि 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आज मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई है। चार नई संहिताओं के लागू होने के बाद न्यूनतम वेतन वृद्धि करने वाला हरियाणा पहला राज्य- विज

विज ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा पहला राज्य है जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय के अंतर्गत चार नई श्रम संहिताएँ- (वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020; तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020) के लागू होने के उपरांत अपने राज्य में श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की दरों में भारी वृद्धि की है।उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक निर्णय से राज्य के लाखों श्रमिकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अब अकुशल (अनस्किल्ड) श्रमिक का वेतन 11274.60 रुपये से बढ़कर 15220 रुपये होगा, जिसके तहत लगभग 3945.40 रुपये की बढ़ोतरी होगी और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। इसी प्रकार, अर्द्ध-कुशल (सेमी-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 12430.18 रुपये से बढ़कर 16780.74 रुपये होगा, जिसके अंतर्गत इस श्रेणी के श्रमिकों का 4350.56 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी।विज ने बताया कि कुशल (स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 13704.31 रुपये से बढ़कर 18500.81 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का वेतन 4796.50 रुपये बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी।

सांसद सैलजा ने असम सीएम की टिप्पणी पर की कड़ी निंदा, कहा- दलित सम्मान पर आघात बर्दाश्त नहीं

चंडीगढ़,08 अप्रैल (एजेंसियां) । सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने असम के मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष के प्रति की गई आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान न केवल एक वरिष्ठ और सम्मानित नेता का अपमान है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना और राजनीतिक शिष्टाचार पर भी सीधा आघात है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जो देश के एक प्रतिष्ठित दलित नेता हैं और जिनका सार्वजनिक जीवन पांच दशकों से अधिक का रहा है, उनके प्रति इस प्रकार की भाषा का प्रयोग अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। सांसद ने आरोप लगाया कि इस प्रकार की बयानबाजी भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करती है और यह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे दलित समाज के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। सांसद सैलजा ने कहा कि आज जब देश के सामने अनेक गंभीर मुद्दे हैं और कांग्रेस पार्टी उन पर सरकार से जवाब मांग रही है, तब सत्तारूढ़ दल के नेता मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह उनकी घबराहट और वास्तविक मुद्दों से बचने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि असम के मुख्यमंत्री को अपने इस बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और भविष्य में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन व्यक्तिगत एवं अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। सांसद कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी दलित समाज के सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है और ऐसे किसी भी कृत्य का पुरजोर विरोध करती रहेगी।हरियाणा में गेहूं खरीद को लेकर पैदा हुई गंभीर स्थिति पर कड़ी चिंता व्यक्त करते हुए सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एक-एक दाना खरीदने के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। मंडियों में किसान कई दिनों से अपनी फसल लेकर बैठे हैं, लेकिन सरकारी खरीद शुरू न होने से उन्हें भारी आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख-कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्त्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे- इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अप्रैल 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 09:22 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 08:49 तक
योग : परिघ सायं 05:56 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:16 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 08:49 तक , भद्रा प्रातः 08:17 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

ट्रंप की 'तबाह' धमकी

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात्रि 10.30 बजे के करीब मीडिया को संबोधित कर एक बार फिर धमकी दी कि अमरीका एक ही रात में ईरान को खत्म कर सकता है। तबाह और बर्बाद कर सकता है। यह रात कल (मंगलवार) भी हो सकती है। भारतीय समयानुसार बुधवार, सुबह 5.30 बजे राष्ट्रपति ट्रंप की 'डेडलाइन' है। उसके बाद कयामत के लम्हे कभी भी सामने आ सकते हैं। ईरान ने इस धमकी का पलटजवाब दिया है कि न तो होर्मुज स्ट्रेट खुलेगा और न ही जंग रुकेगी। ईरान के कथित सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का बयान भी सार्वजनिक किया गया है कि हम कुर्बानी देने से नहीं घबराते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अमरीकी सेना ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों, जल-संयंत्रों पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले करेगी कि ईरान अंधकार में डूब जाएगा। वह 'पाषाण-युग' वाला दृश्य ही होगा। क्या फिर भी ईरान 'समझौता' नहीं करना चाहता, सरेंडर नहीं करना चाहता? ईरान ने ऐसे समझौतापरस्त प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक एयरमैन सैनिक को बचाने के सैन्य अभियान की खूब तारीफ की। राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि ऑपरेशन में 200 कमांडो, सैनिक और 21 विमानों ने शिरकत की। यह इतिहास का सबसे कठिन और सफल बचाव था। अमरीकी सैनिक दुश्मन देश और उसकी जमीन से अपने एयरमैन सैनिक को बचाकर ले आए, ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ। अनुमान है कि एक वायु-सैनिक को बचाने पर अमरीका ने 30 करोड़ डॉलर खर्च कर दिए। युद्ध में अन्य देशों के सैनिक, मासूम और गैर-सैन्य नागरिक भी मारे गए हैं। क्या उनकी जिंदगियां, अमरीकी सैनिक की तरह, कीमती और अनिवार्य नहीं थीं? अमरीकी सेना ने ईरान पर 13,000 से अधिक हमले किए हैं। लगभग इतने ही हमले इजरायली सेना ने किए हैं। करीब 2100 ईरानी नागरिक, 250 बच्चों समेत, मारे गए हैं। कुछ विशेषज्ञ तो मरने वाले ईरानियों की संख्या 5000 से अधिक बताते हैं और 10 लाख से ज्यादा विस्थापित हुए हैं। अमरीकी राष्ट्रपति अब भी ईरान को तबाह, पाषाणकालीन, करना चाहते हैं। ईरान के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर राष्ट्रपति पद की मर्यादा भी नीलाम कर रहे हैं, लिहाजा अमरीकी संसद में '25वां संशोधन' लागू करने की पुरजोर मांग उभरी है। इसमें ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी और विपक्ष की डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर, सांसद शामिल हैं। अभी तक इस संशोधन के तहत किसी भी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। दरअसल यह युद्ध ही 'अवैध' है। अमरीका के संविधान और कानून के मुताबिक यह युद्ध अवैध है, क्योंकि अमरीकी कांग्रेस (संसद) की अनुमति नहीं ली गई है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) के मुताबिक, किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया जा सकता। ये भी नियम हैं कि नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता, अस्पतालों और चिकित्साकर्मियों पर हमले नहीं किए जा सकते, लेकिन ईरान युद्ध में तमाम कायदे-कानूनों का सरेआम, घोर उल्लंघन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुच्छेद 52 में यह प्रावधान है कि कोई भी देश आत्मरक्षा के लिए युद्ध कर सकता है, लेकिन बाद में सुरक्षा परिषद की स्वीकृति प्राप्त करनी जरूरी है। इस युद्ध ने ही जापान, जर्मनी सरीखे देशों को परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर बाध्य किया है। जापान के पास इतना सर्वंर्धित यूरेनियम और अन्य सामग्री है कि वह 5000 से अधिक परमाणु बम बना सकता है। अर्थात रूस और अमरीका की होड़ में शामिल हो सकता है। फ्रांस ने तय किया है कि वह 2030 तक मिसाइलों और ड्रोन की क्षमता 400 फीसदी बढ़ाएगा। आसन्न युद्ध की तैयारियां... ! बहरहाल युद्ध के 39 दिन बीत चुके हैं। दुनिया में हडक़ंप मचा है। होर्मुज में करीब 3000 जहाज फंसे हैं, जाहिर है कि उनमें कच्चा तेल, गैस, अन्य आवश्यक वस्तुएं होंगी, जो देशों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। विश्व में मंदी के आसार बताए जा रहे हैं। यदि तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गईं, तो मुद्रास्फीति 7-8 फीसदी तक जा सकती है और देशों की जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी कम हो सकती है।

ईरान ने इस धमकी का पलटजवाब दिया है कि न तो होर्मुज स्ट्रेट खुलेगा और न ही जंग रुकेगी। ईरान के कथित सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का बयान भी सार्वजनिक किया गया है कि हम कुर्बानी देने से नहीं घबराते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अमरीकी सेना ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों, जल-संयंत्रों पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले करेगी कि ईरान अंधकार में डूब जाएगा। वह 'पाषाण-युग' वाला दृश्य ही होगा। क्या फिर भी ईरान 'समझौता' नहीं करना चाहता, सरेंडर नहीं करना चाहता? ईरान ने ऐसे समझौतापरस्त प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक एयरमैन सैनिक को बचाने के सैन्य अभियान की खूब तारीफ की। राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि ऑपरेशन में 200 कमांडो, सैनिक और 21 विमानों ने शिरकत की। यह इतिहास का सबसे कठिन और सफल बचाव था। अमरीकी सैनिक दुश्मन देश और उसकी जमीन से अपने एयरमैन सैनिक को बचाकर ले आए, ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ। अनुमान है कि एक वायु-सैनिक को बचाने पर अमरीका ने 30 करोड़ डॉलर खर्च कर दिए। युद्ध में अन्य देशों के सैनिक, मासूम और गैर-सैन्य नागरिक भी मारे गए हैं।

अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के चलते गैस आधारित ऊर्जा संयंत्रों में उत्पादन ठप

कोयले से ऊर्जा उत्पादन की ओर लौटती दुनिया

प्रमोद भार्गव

जलवायु परिवर्तन के घातक संकेतों के चलते दुनिया गैस आधारित ऊर्जा उत्पादन की ओर तेजी से बढ़ी थी। किंतु पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलीस्तीन और अब अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने ऐसे विकट हालात पैदा कर दिए हैं कि दुनिया ऊर्जा संकट की कमी झेलने लगी है। अतएव जिन देशों ने ऊर्जा उत्पादन के गैस आधारित उपाय कर लिए थे, वे अब अपने कोयले से चलने वाले बंद पड़े ऊर्जा संयंत्रों को चालू करने की तैयारी में जुट गए हैं। क्योंकि इस युद्ध में तेल भंडारों के साथ गैस से बनने वाली बिजली संयंत्रों पर युद्ध के दौरान बड़े हमले हुए है। ईरान ने पश्चिम एशियाई देशों में स्थित अनेक ऊर्जा संयंत्रों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दूसरी तरफ अमेरिका एवं इजरायल ने ईरान के परमाणु और गैस ऊर्जा संयंत्रों को ध्वस्त कर दिया है। इस गल्फ वार ने दुनिया में गैस की किल्लत पैदा कर दी है। नतीजतन जापान, जर्मनी, बांग्लादेश, नीदरलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे देशों ने जीवाश्म ईंधन, अर्थात कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को फिर से चालू करने का निर्णय ले लिया है। जबकि ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार 2015 से यूरोप में कोयले से बिजली बनाने की क्षमता में 45 प्रतिशत की गिरावट आ गई थी।

दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को लंबे समय से गैस आधारित बिजली को एक 'ब्रिज फ्यूल' के तौर पर बेचा जाता था। अर्थात कोयले का एक ऐसा स्वच्छ विकल्प मिल गया था, जो सस्ता होने के साथ भरोसे का भी है। इसके प्रयोग में कार्बन का उत्सर्जन भी शून्य रहता है। अतएव ऊर्जा उत्पादन में इसकी उपयोगिता निरंतर बढ़ रही थी। लेकिन ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों के चलते गैस का संकट लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इंटरनेशनल ऊर्जा एजेंसी का दावा है कि गैस की कमी और उसकी बढ़ती कीमतों के चलते सरकारें, उद्योग और घर-परिवार दूसरे विकल्पों की तलाश करेंगे। इसलिए कोयले का इस्तेमाल होना तय है। कोयले से बिजली बनेगी तो कॉर्बन का भी बड़ी मात्रा में उत्सर्जन होगा। इस विषयक गोल्डमेन सैक्स गुप्र में कमोडिटीज रिसर्च का कहना है कि हम ऊर्जा आपूर्ति में आया दूसरा बहुत बड़ा झटका अनुभव कर रहे है। ऐसे में इस बात की आशंका है कि कई देशों को लंबे समय तक कोयले पर निर्भर रहना पड़ सकता है। गैस की कमी के चलते यूरोप और एशिया के कई देश कोयले से बिजली उत्पादन को मजबूर हो जाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े गैस आयातक देशों में से एक जापान ने तो ही भी दिया है कि हम कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों को चालू करने जा रहे हैं। यूरोपीय देश भी 20 प्रतिशत से अधिक बिजली का उत्पादन कोयले से करने लग जाएंगे। इससे वायुमंडल में बढ़ते तापमान के वैश्विक उपायों को बड़ा झटका लग सकता है।

2018 का ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थीं। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हो गया था। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। उन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा है। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई थी। जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर हैं। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया था, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था।

दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईंसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने और ठंड से बचने के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणाम स्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतर्राष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं।

लेकिन वर्तमान में चल रहे भीषण युद्धों ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी।

रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलीस्तीन और अब अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने ऐसे विकट हालात पैदा कर दिए हैं कि दुनिया ऊर्जा संकट की कमी झेलने लगी है। अतएव जिन देशों ने ऊर्जा उत्पादन के गैस आधारित उपाय कर लिए थे, वे अब अपने कोयले से चलने वाले बंद पड़े ऊर्जा संयंत्रों को चालू करने की तैयारी में जुट गए हैं। क्योंकि इस युद्ध में तेल भंडारों के साथ गैस से बनने वाली बिजली संयंत्रों पर युद्ध के दौरान बड़े हमले हुए है। ईरान ने पश्चिम एशियाई देशों में स्थित अनेक ऊर्जा संयंत्रों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दूसरी तरफ अमेरिका एवं इजरायल ने ईरान के परमाणु और गैस ऊर्जा संयंत्रों को ध्वस्त कर दिया है। इस गल्फ वार ने दुनिया में गैस की किल्लत पैदा कर दी है। नतीजतन जापान, जर्मनी, बांग्लादेश, नीदरलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे देशों ने जीवाश्म ईंधन, अर्थात कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को फिर से चालू करने का निर्णय ले लिया है।

देश दुनिया से

भारतीय समाज : रिश्तों में आती दरारें व टूटती सुगंध

भारतीय समाज सदियों से अपने मजबूत पारिवारिक मूल्यों, आपसी प्रेम, विश्वास और सामूहिकता के लिए जाना जाता रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली रही है। यहां रिश्तों की डोर केवल खून के संबंधों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पड़ोसी, मित्र और समाज के हर व्यक्ति के साथ आत्मीय जुड़ाव महसूस किया जाता था। लेकिन आधुनिक समय में यह सुगंध धीरे-धीरे फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। रिश्तों में दरारें बढ़ रही हैं और विश्वास का आधार कमजोर होता जा रहा है। आज के दौर में सबसे बड़ा बदलाव जीवनशैली में आया है। भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रतिस्पर्धा और भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ ने इनसान को आत्मकेंद्रित बना दिया है। पहले परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, सुख-दुख साझा करना और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना सामान्य बात थी। लेकिन अब मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने वास्तविक संवाद को काफी हद तक कम कर दिया है। लोग आभासी दुनिया में अधिक सक्रिय हैं, जबकि वास्तविक रिश्तों में दूरी बढ़ती जा रही है। रिश्तों में दरार का एक प्रमुख कारण संवाद की कमी है। जब लोग खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करते, तो गलतफहमियां जन्म लेती हैं। छोटी-छोटी बातों को दिल में रखना, अहंकार के कारण पहल न करना और अपनी गलती स्वीकार न करना- ये सभी बातें रिश्तों को कमजोर करती हैं। पहले परिवार में बुजुर्गों का मार्गदर्शन होता था, जो हर विवाद को सुलझाने में अहम भूमिका निभाते थे। आज संयुक्त परिवारों का विघटन होने से यह संतुलन भी टूट गया है। आर्थिक दबाव भी रिश्तों पर गहरा असर डाल रहा है। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और करियर की चिंता ने लोगों को मानसिक रूप से तनावग्रस्त कर दिया है। इस तनाव का प्रभाव सीधे पारिवारिक संबंधों पर पड़ता है। पति-पत्नी के बीच विवाद, माता-पिता और बच्चों के बीच दूरी, और भाई-बहनों के बीच संपत्ति को लेकर झगड़े- ये सब आज के समाज में आम होते जा रहे हैं। रिश्ते अब भावनाओं के बजाय स्वार्थ और लाभ-हानि के तराजू पर तौले जाने लगे हैं। इसके अलावा, बदलती सोच और पीढियों के बीच बढ़ता अंतर भी रिश्तों में खटास का कारण बन रहा है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्पेस को प्राथमिकता देती है, जबकि पुरानी पीढ़ी पारंपरिक मूल्यों को महत्व देती है। इस सोच के टकराव से टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है। यदि दोनों पीढियां एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो इस दूरी को कम किया जा सकता है, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं हो पाता। मीडिया और मनोरंजन के बदलते स्वरूप ने भी समाज के मूल्यों को प्रभावित किया है। फिल्मों और धारावाहिकों में दिखाए जाने वाले संबंधों की जटिलता और कभी-कभी नकारात्मक चित्रण का प्रभाव लोगों की सोच पर पड़ता है। इससे रिश्तों के प्रति लोगों की धारणा बदलती है और वे वास्तविक जीवन में भी उसी तरह के व्यवहार को अपनाने लगते हैं। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। आज भी भारतीय समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोग रिश्तों को संजोकर रखते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते। जरूरत है तो केवल इस बात की कि हम अपने मूल्यों को पुनः पहचानें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। रिश्तों की सुगंध को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है संवाद और समझ। हमें अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बातों को ध्यान से सुनना चाहिए और अपनी भावनाओं को ईमानदारी से व्यक्त करना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करना और माफी मांगने की आदत विकसित करना रिश्तों को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही, हमें भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मानवीय मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। पैसा और सफलता जरूरी हैं, लेकिन उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं हमारे रिश्ते और उनका स्नेह। परिवार के साथ बिताया गया समय, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना- यही असली सुख का आधार है। शिक्षा प्रणाली में भी नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है, ताकि नई पीढ़ी रिश्तों के महत्व को समझ सके। माता-पिता और शिक्षक बच्चों को केवल करियर की दिशा ही न दिखाएं, बल्कि उन्हें एक अच्छा इनसान बनने की भी प्रेरणा दें। रिश्तों के टूटने का एक बड़ा कारण संवादहीनता है। आज लोग अपने काम और व्यस्तताओं में इतने उलझ गए हैं कि एक-दूसरे के लिए समय निकालना कठिन हो गया है। मोबाइल और सोशल मीडिया ने भले ही दूरियों को कम किया हो, लेकिन वास्तविक बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप, गलतफहमियां बढ़ती हैं और रिश्तों में दरार पडऩे लगती है। इसके अलावा अहंकार (ईगो) भी रिश्तों के टूटने का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। आज के समय में लोग अपनी बात को सही साबित करने में अधिक रुचि रखते हैं, बजाय इसके कि वे संबंधों को बचाने के लिए समझौता करें। 'मैं' की भावना 'हम' पर भारी पड़ रही है, जिससे आपसी मतभेद बढ़ते हैं और रिश्ते कमजोर होते जाते हैं। आर्थिक स्वतंत्रता भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। खासकर महिलाओं की शिक्षा और आत्मनिर्भरता ने उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया है, जो सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन कभी-कभी यह स्वतंत्रता आपसी टकराव का कारण भी बन जाती है, जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात पर अड़े रहते हैं और समझौते की भावना कम हो जाती है। पीढियों के बीच बढ़ती खाई भी रिश्तों में तनाव का कारण बन रही है। बुजुर्गों की सोच और युवाओं के विचारों में अंतर होने के कारण टकराव उत्पन्न होता है। जहां एक ओर बुजुर्ग पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखना चाहते हैं, वहीं युवा आधुनिकता और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देते हैं। इस अंतर को यदि संवाद और समझदारी से न सुलझाया जाए, तो संबंधों में दूरी आना स्वाभाविक है। रिश्तों को टूटने से बचाने के लिए सबसे आवश्यक है संवाद, समझ और सहनशीलता। हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और समय निकालकर अपने प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए।

मजबूत पारिवारिक मूल्यों, आपसी प्रेम, विश्वास और सामूहिकता के लिए जाना जाता रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली रही है। यहां रिश्तों की डोर केवल खून के संबंधों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पड़ोसी, मित्र और समाज के हर व्यक्ति के साथ आत्मीय जुड़ाव महसूस किया जाता था। लेकिन आधुनिक समय में यह सुगंध धीरे-धीरे फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। रिश्तों में दरारें बढ़ रही हैं और विश्वास का आधार कमजोर होता जा रहा है। आज के दौर में सबसे बड़ा बदलाव जीवनशैली में आया है।

आप का नज़रिया

आगबबूला हिमाचल

अब बात-बेबात पर गुस्सा आने लगा, हर जज्बात पर गुस्सा आने लगा। कानून के पहिए वहां भाग रहे, कोई वीआईपी व्यस्त है सारे मुकाम पर। ऊना के एक गांव में लाल बागबानी का परिचय छह साल की बच्ची को मिला, जब उसने चलते-चलते अमरूद तोड़ लिया। बागीचे के मालिक ने इस हरकत के खिलाफ अपना कानून तैयार किया और मासूम को बंधक बनाकर सजा दे डाली। इस घटना का अंजाम कुछ भी हो सकता था, लेकिन एक युवा के प्रयास ने बहरी-गूंगी खिड़कियां खोल डालीं। जाहिर है समाज के बीच अब यह बस्ती जहर से भी बुरी है, घर में बैठे लोग कब्रें सजा रहे। इस संदर्भ में दूसरी घटना धर्मशाला के एक मॉल परिसर की है। देर रात्रि कुछ अतिथि चाय का सूटा लगाने से पहले ही इतना खफा हुए कि उन्होंने आउटलेट को कबाड़ बना दिया। आश्चर्य यह कि फिर भी हम मानते हैं कि हिमाचल भोले भाले लोगों का है। न पुलिस की चौकसी और न ही कोई रात को पुलिस थाने की कुंडी खडक़ा सकता है। सिर्फ सीसीटीवी ने लाज बचा ली वरना इतनी सी लड़ाई पर पुलिस को क्या पड़ी होती कि रात के अंधेरे में अपना सीना दिखाए। ये दो घटनाएं नहीं, हर जगह अब संघर्ष का बारूद बिखरा है, लोग माचिस लिए पहरा दे रहे हैं। सोशल मीडिया में गुस्से की लाली का जिक्र पालमपुर डिपो की धर्मशाला-सोलन बस ने उस वक्त दिखाया, जब निजी बसों के कर्मियों ने पोल खोल दी। बिना पूरे नेट-बोल्ट, टूटे शीशे, टूटे स्पीडोमीटर और हिलते गेयर बॉक्स को रोकती ईंट पर भी यात्री खामोश थे, तो एचआरटीसी बेकसूर है, लेकिन मकुाबला होकर रहेगा। मुकाबला तो कांगड़ा के बेजुबान पंछियों ने भी किया, जब उन्हें लगा कि ऑटोमेटिक टैस्टिंग सेंटर तो उनके पर काट देगा। वाहनों की फिटनेस के लिए कांगड़ा जिला में एकमात्र एटीएस सेंटर आफत बन गया है। सेंटर की क्षमता पचास वाहनों की प्रतिदिन है, जबकि मांग सौ से डेढ़ सौ वाहनों की रहेगी। बहरहाल विरोध में प्राइवेट गाडियों, बसों और टैक्सियों के चक्के जाम रहे, तो इसके साइड इफेक्ट्स स्कूलों, दफ्तरों तथा बाजारों में सूनापन पैदा कर गए। अस्पतालों के विरोध में एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल ने रेफरल सिस्टम के पर कतर दिए हैं, तो आंदोलनों के चाबुक से जनता के लिए यह सफर कठिन होने लगा है। ऐसे में होटलों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी को देखते हुए अगर कोई घरेलू गैस का उपयोग कर ले, तो इस अपराध की वजह पकड़ी जानी चाहिए। इस बीच पंचायत चुनाव की हद में प्रवेश करती जनता को उसकी ही मुसीबतें सताएंगी। क्या इस न्याय युद्ध में उसे कोई सारथी मिलेगा। कम से कम आरक्षण रोस्टर के प्रभाव से समाज के बीच ऐसी रोशनी रेखांकित नहीं हो रही, जो तमाम अंधेरों को मिटा दे या जीत-हार के परचम लिए जब हम अपने विजयी पार्षदों की शिनाख्त करेंगे, तो पूरी तरह अपने ही मनोबल को हार जाएंगे। हिमाचल की शांत राहों पर अब सियासत की गर्मी भी एक मिसाल है। ऐसा लगता है कि विपक्ष सारा इतिहास पलट देगा और सरकार का दरबार कहता है कि दुनिया बदल दी। रोबोटिक सर्जरी के इंतजाम में मेडिकल कालेज वाकई बड़े लगने लगे हैं, मगर जब सीटी स्कैन मशीन के पुर्जे खुल जाते हैं, तो इंतजार में मरीज बूढ़े हो जाते हैं। ऐसे में धर्मशाला के मॉल पर गुंडागर्दी का नंगा नाच स्वीकार करें या यह मान लें कि ऊना के बागीचों का अमरूद खूनी है। जो भी हो, हिमाचल अब गुस्से से तरबतर, अपनी ही गलियों में बदनाम हो रहा है। मानव सभ्यता के नए क्रमांक में हिमाचल की अशांति, अहंकारपूर्ण सफलता, राजनीतिक विद्वेष और निजी उपलब्धियों के अखाड़े आपस में भिडने लगे हैं। इस माहौल की पैरवी का अफसोस मनाएं, वरना कल आपका पड़ोसी आपके खिलाफ ही युद्धरत हो जाएगा।

ऊना के एक गांव में लाल बागबानी का परिचय छह साल की बच्ची को मिला, जब उसने चलते-चलते अमरूद तोड़ लिया। बागीचे के मालिक ने इस हरकत के खिलाफ अपना कानून तैयार किया और मासूम को बंधक बनाकर सजा दे डाली। इस घटना का अंजाम कुछ भी हो सकता था, लेकिन एक युवा के प्रयास ने बहरी-गूंगी खिड़कियां खोल डालीं। जाहिर है समाज के बीच अब यह बस्ती जहर से भी बुरी है, घर में बैठे लोग कब्रें सजा रहे। इस संदर्भ में दूसरी घटना धर्मशाला के एक मॉल परिसर की है। देर रात्रि कुछ अतिथि चाय का सूटा लगाने से पहले ही इतना खफा हुए कि उन्होंने आउटलेट को कबाड़ बना दिया। आश्चर्य यह कि फिर भी हम मानते हैं कि हिमाचल भोले भाले लोगों का है। न पुलिस की चौकसी और न ही कोई रात को पुलिस थाने की कुंडी खडक़ा सकता है। सिर्फ सीसीटीवी ने लाज बचा ली वरना इतनी सी लड़ाई पर पुलिस को क्या पड़ी होती कि रात के अंधेरे में अपना सीना दिखाए। ये दो घटनाएं नहीं, हर जगह अब संघर्ष का बारूद बिखरा है, लोग माचिस लिए पहरा दे रहे हैं। सोशल मीडिया में गुस्से की लाली का जिक्र पालमपुर डिपो की धर्मशाला-सोलन बस ने उस वक्त दिखाया, जब निजी बसों के कर्मियों ने पोल खोल दी।

कुछ अलग

मे शी लिव लांग

कई दिनों से महसूस कर रहा था कि मेरी अगल बगल के बुद्धिजीवी अजीब सी हंसी हंस रहे हैं। कुत्ते रोएं तो अब अपशकुन नहीं होता। आजकल बुद्धिजीवियों के हंसने पर किसी अज्ञात अपशकुन की पूरी संभावनाएं होती हैं। और वही हुआ जिस बात की मुझे आशंका थी। ज्यों ही इधर उधर से जुगाड़ कर अपने नाम से छपने वाले अपने प्रिय ने खबर दी कि बेचारी शी गंभीर हालत में वेंटिलेटर पर है तो मेरी आशंका सच में बदल गई। दवाओं और दुआओं पर तो खैर वह उसी दिन चली गई थी जिस दिन उसने जन्म लिया था। वैसे देखा जाए तो सडक़ से लेकर संसद तक सीरियस लगभग सभी चले हैं। एक दूसरे को किसी की बीमारी का पता न चले, इसलिए सब सबके सामने अपने अपने दिमाग में हजारों बीमारियां छिपाए फिट रहने का दिखावा कर रहे हैं। पर सवाल बेचारी शी की बीमारी को लेकर था। कारण, शी के बूते ही मैं मूर्धन्य साहित्यकार बना हूं। अगर ये शी न होती तो मेरे साहित्य को कुत्ता भी न पूछता। शी के वेंटिलेटर की खबर सुन मैं नंगे पांव ही उसके हाल चाल पूछने उसके पास पहुंचा तो देखा, वह सच्ची को अपनी अंतिम सांसें अपने आसपास बैठे उसको चाटने वालों से गिनवा रही है निश्चेतन! उसके आसपास उसके नामी, कामी, कामिक, कामुक, कामित, नामित सदस्य परेशानी में भी हंसते मुस्कुराते बैठे लेटे थे। उसमें बूंद भर भी खून न होने के बाद भी कोई उसकी हाथ की उंगली अपने मुंह में ले चूस रहा था तो कोई पांव की। उसके ऊपर से नीचे तक पाइपें लगी थीं। वह पाइपों से सांस ले रही थी, पाइपों से सांस छोड़ रही थी। पाइपों से फूड ले रही थी।

दृष्टि कोण

शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी चिंताजनक

हाल ही में आई एक उच्च शिक्षा की रिपोर्ट के अनुसार देश में युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 40 फीसदी तक पहुंच गई है। रिपोर्ट बताती है कि 20 से 29 आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और केवल 7 फीसदी को ही स्नातक होने के एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिल पाती है। देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही निश्चित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' में पाया गया कि बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के भीतर केवल करीब सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च बनी हुई है। 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा से जुड़े कई अंतर को पाटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लडक़ा-लडक़ी और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं, हालांकि इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। पिछले चार दशक में युवाओं की शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर 28 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी खास तौर पर बढ़ी है। हालांकि पुरुषों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई है। यह 2017 के 38 प्रतिशत से घटकर 2024 के अंत तक 34 प्रतिशत रह गई है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि पुरुष अपने परिवार की जरूरत को पूरा करने के लिए कमाने के अवसर तलाशने लगते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढक़र 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। यह भी कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढक़र 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है, लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों, मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है।

आईपीएल में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है विराट सहित इन खिलाड़ियों के नाम

मुम्बई, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक से बड़कर एक आक्रामक पारियों को देखने का अवसर मिलता है। वहीं कुछ ऐसे भी बल्लेबाज हैं जो इस लीग में धीमी बल्लेबाज करते हुए भी शतक लगाने में सफल रहे हैं। इसी सूची में विराट कोहली सबसे ऊपर हैं। आईपीएल इतिहास में सबसे धीमे शतक लगाने वाले पांच बल्लेबाजों की सूची में शामिल सभी बल्लेबाज भारतीय हैं।

विराट कोहली – रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने जयपुर में राजस्थान रायल्स (आरआर) के खिलाफ साल 2004 में 72 गेंद में नाबाद 113 रन बनाये थे। इस पारी में 12 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कोहली ने अपना शतक 67 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे धीमा शतक था। यह कोहली के आईपीएल करियर का 8वां शतक था।

मनीष पांडे – मनीष पांडे ने आईपीएल 2009 में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से डेक्कन चार्जर्स (डीसी) के खिलाफ शतक लगाया था। यह आईपीएल और टी20 क्रिकेट में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। मनीष ने ये शतक 73 गेंद में नाबाद 114 रन बनाकर लगाया। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे।

सचिन तेंदुलकर – मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आईपीएल में केवल एक ही शतक लगाया है। सचिन ने कोच्चि टस्कर्स केरल (केटीके) के खिलाफ 66 गेंद में शतक लगाया। इसमें उन्होंने 12 चौके और 3 छक्के लगाए। यह सचिन का टी20 क्रिकेट में पहला और आखिरी शतक था।.

केएल राहुल – बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की ओर से मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 64 गेंदों में शतक लगाया था। यह उनके करियर का दूसरा शतक था। राहुल ने अपनी पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए थे।

अंबाती रायुडू – चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हुए अंबाती रायुडू ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 62 गेंद में शतक लगाया था। रायुडू ने इस मैच में 62 गेंद में 7 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 100 रन बनाये।

न्यूज ब्रीफ

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

बेंगलुरु। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026: दिव्या देशमुख ने अन्ना मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई, प्रज्ञानानंद हारे

साइप्रस। फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के आठवें राउंड में मंगलवार को भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर चल रहीं अन्ना मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। अपने पहले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेल रहीं दिव्या ने शुरुआत में दबाव झेला, लेकिन एंडगेम में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ वह मुजिचुक, आर वैशाली, झू जिनर और कटरीना लाग्नो के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गई हैं। मुकाबले के मिडिलगेम और शुरुआती एंडगेम में मुजिचुक का नियंत्रण दिख रहा था और खेल ड्रा की ओर बढ़ता नजर आ रहा था। हालांकि 76वें मूव के बाद दिव्या ने लगातार चेक देते हुए विरोधी राजा को खुली स्थिति में ला दिया। 80वें मूव पर मुजिचुक की एक गलती भारी पड़ी और दिव्या ने निर्णायक हमला बोलते हुए जीत दर्ज कर ली। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में वैशाली ने बिबिसारा अस्साउबायेवा के खिलाफ ड्रा खेला, जबकि लाग्नो ने अलेक्जेंड्रा गोर्याच्किना को हराया। झू जिनर ने तान झोंगयी पर जीत हासिल की। ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे जावोखिर सिंदारोव और आंद्रेई एसिपेंको के बीच मुकाबला ड्रा रहा। खेल के मध्य चरण में दोनों खिलाड़ियों ने संतुलित खेल दिखाया और अंततः मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत के आर प्रज्ञानानंद को अनीश गिरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

ईशान एक अच्छे कप्तान : क्लासेन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने पैट कमिंग के बाहर होने के कारण टीम की कप्तानी संभाल रहे ईशान किशन की जमकर प्रशंसा की है। क्लासेन ने कहा कि ईशान एक अच्छे खिलाड़ी और कप्तान है क्योंकि वह बेहद सहज है और सलाह लेने में हिचकते नहीं है। इसके साथ ही उनका फैसला लेने का तरीक काफी अच्छा है। वह सभी से बात करते हैं और ड्रेसिंग रुम का माहौल भी हंसी मजाक वाला बनाये रखते हैं। नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से अब तक इस सीरीज में ईशान ने ही कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में एसआरएच ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। क्लासेन ने कहा, मुझे लगता है कि अब तक अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल रहे हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो सलाह मांगते हैं। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल अच्छा बनाये रखते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम में उनकी बात सुनते हैं वह एक अच्छी आदत है। उन्होंने कहा, इससे साफ है कि टीम सुरक्षि हाथों में है। जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। पिछले काफी समय से वह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्लासेने ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था।

गुजरात टाइटंस का खाता खुला, आखिरी गेंद पर एक रन से हारी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का खाता खुल गया है। अपने पहले दोनों मैच हारने वाली गुजरात टाइटंस ने तीसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। अरुण जेटली स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए जोस बटलर के अलावा कप्तान शुभमन गिल और वॉशिंगटन सुंदर ने फिफ्टी लगाई। इसकी मदद से टीम ने 4 विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी दिल्ली कैपिटल्स 7 विकेट पर 209 रन ही बना सकी।दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इस टीम को महज 2.1 ओवर में साई सुदर्शन (12) के रूप में पहला झटका लगा। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 19 रन जुड़े थे। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 60 रन की साझेदारी की। बटलर 27 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 52 रन बनाकर कुलदीप यादव की गेंद पर आउट हुए।जोस बटलर का विकेट गिरने के बाद कप्तान गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने 60 गेंदों में 104 रन की साझेदारी की। कप्तान गिल 45 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 70 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वाशिंगटन सुंदर ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 55 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने 2 विकेट निकाले, जबकि लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने 1-1 विकेट हासिल किया।दिल्ली कैपिटल्स को सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और पाथुम निसंका ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले में ही टीम को 63 रनों तक पहुंचा दिया। 24 गेंद पर 41 रनों की पारी खेलने के बाद निसंका प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हुए। 9वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा के खिलाफ दो चौके और दो छक्के मारकर केएल राहुल ने 29 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। लेकिन नीतीश राणा और समीर रिजवी को राशिद खान ने लगातार दो गेंद पर आउट कर दिया।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे : सहवाग

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है।

सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है।

आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए ।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम हटाए गए

ढाका। टी-20 वर्ल्ड कप विवाद के बाद बांग्लादेश की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को हटा दिया। बोर्ड के 6 अन्य डायरेक्टर्स ने भी इस्तीफा दे दिया। बोर्ड के कामकाज के लिए एड-हाक कमेटी बनाई गई, जिसकी कमान पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को सौंपी गई। यह कमेटी 90 दिनों में चुनाव कराएगी। ने मंगलवार को बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया। इसके बाद नई एड-हाक कमेटी गठित की गई, जिसका उद्देश्य रोजमर्रा का कामकाज संभालना और तय समय में चुनाव कराना है। बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को से हटाने के विरोध में भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इंकार कर दिया था। इसके बाद ने उसकी जगह स्काटलैंड को मौका दिया था। खेल मंत्रालय ने इसकी जांच कराई थी। एड-हाक कमेटी में 11 मेंबर्स शामिल तमीम इकबाल को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। कमेटी में 11 मेंबर्स शामिल हैं। इनमें अथर अली खान, राशना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, मिनहाजुल आबेदीन नन्नू, इशराफिल खुसरू, तंजिम चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं। वर्ल्ड कप विवाद और बोर्ड के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण बुलबुल को हटाया गया। इस दौरान छह डायरेक्टरों ने भी इस्तीफा दे दिया था, जिससे बोर्ड पर दबाव बढ़ा।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हाकी टीम, 13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय सीनियर महिला हाकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर आफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हाकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हाकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक टीम प्लेयर हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबाल टीम, रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय महिला फुटबाल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबाल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी।

भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबाल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा।इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना आस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे।

गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी

डिफेंडर: अलीना देवी, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जायशिनी चानू, रितु बड़ाईक, तानिया देवी

मिडफील्डर: अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी, थंडामोनी बास्की

फारवर्ड: अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू, पर्ल फर्नांडीस, वैलैना फर्नांडीस।

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वार्नर गिरफ्तार

सिडनी। आस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वार्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वार्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वार्नर की कार टेस्टिंग पाइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वार्नर का रिजल्ट पाजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह आस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वार्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वार्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाड़ियों में गिना जाता रहा है।

अडाणी की अमेरिकी कोर्ट से फ्राड केस खारिज की मांग : बोले-मामला अमेरिकी अधिकार क्षेत्र से बाहर है, किसी तरह की धोखाधड़ी साबित नहीं हुई

न्यूयार्क, 08 अप्रैल (एजेंसियां)।

गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी ने अमेरिकी रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन की तरफ से दायर सिविल फ्राड केस को खारिज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह मामला अमेरिकी अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इसमें कोई ठोस आरोप नहीं हैं।

अडाणी ग्रुप ने न्यूयार्क की अदालत में प्री-मोशन लेटर दाखिल कर कहा कि जिस डील को लेकर आरोप लगाए गए हैं वह अमेरिका के बाहर हुई थी। इसलिए मुकदमा कानूनी रूप से कमजोर है और इसे पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए।

24 नवंबर में गौतम अडाणी और सागर अडाणी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। स्श्वष्ट ने आरोप लगाया था कि अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 2021 के बान्ड जारी करने के दौरान निवेशकों को गुमराह किया और रिश्वत मामले का खुलासा नहीं किया।

अडाणी की दलील- अमेरिका से कोई सीधा संबंध नहीं - अडाणी के वकीलों ने केस खारिज करने की मांग के साथ तर्क दिया है कि न तो गौतम अडाणी और न ही सागर अडाणी का अमेरिका के साथ ऐसा कोई संपर्क रहा है जो इस केस के लिए जरूरी हो। साथ ही, बान्ड जारी करने की प्रक्रिया में उनकी कोई सीधी भूमिका नहीं थी।

अडाणी पक्ष ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यह दिखाने में विफल रहा है कि इसमें कोई घरेलू लेनदेन शामिल था।

उन्होंने कहा कि बान्ड जारी करने वाली कंपनी भारतीय है, वह अमेरिका में लिस्टेड नहीं है और कथित घटना भी पूरी तरह से भारत में हुई है। ऐसे में अमेरिकी कानूनों को देश की सीमा से बाहर लागू नहीं किया जा सकता।

750 मिलियन डालर का बान्ड सेल और विदेशी नियम - फाइलिंग में बताया गया कि 750 मिलियन डालर (करीब 6,300 करोड़) के बान्ड की बिक्री अमेरिका से बाहर नियम 144 और रेगुलेशन के तहत की गई थी। ये प्रतिभूतियां गैर-अमेरिकी अंडरराइटर्स को बेची गई थीं और बाद में उनका कुछ हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों को फिर से बेचा गया था। वकीलों का कहना है कि शिकायत में ऐसा कोई आरोप नहीं है कि गौतम अडाणी ने इस इश्यू को मंजूरी दी थी या अमेरिकी निवेशकों को प्रभावित करने वाली किसी मीटिंग में हिस्सा लिया था। ग्रुप ने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि निवेशकों को हुए किसी भी नुकसान का जिक्र नहीं किया है। ग्रुप के मुताबिक, इन बान्ड्स की मैच्योरिटी 2024 में पूरी हो गई थी और निवेशकों को ब्याज सहित पूरा पैसा वापस कर दिया गया है। इसके अलावा, रिश्वतखोरी के आरोपों को भी ग्रुप ने पूरी तरह से बेबुनियाद करार दिया है और कहा है कि इसके पक्ष में कोई विश्वसनीय सबूत नहीं हैं।

भविष्य की रणनीतिः 30 अप्रैल को बड़ी सुनवाई संभव - अडाणी ग्रुप ने मांग की है कि इस मामले को पूरी तरह से बंद किया जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे प्री-मोशन कान्फ्रेंस के लिए पेश होने को तैयार हैं। अब सबकी नजरें 30 अप्रैल पर टिकी हैं, जब इस मामले में विस्तृत मोशन कोर्ट के सामने रखा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद ये जानकारी दी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करते हुए बताया कि रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। मल्होत्रा ने बताया कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2026-27 की अपनी पहली मौद्रिक समीक्षा में आम सहमति से नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसदी पर यथावत रखा है। संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट से आपूर्ति श्रृंखलाा प्रभावित हुई, लेकिन कई अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि ईरान संकट की वजह से महंगाई एक बार फिर जोखिम पैदा कर रही है। ऐसे में नीतिगत ब्याज दर को घटाने से ज्यादा जरूरी आर्थिक उपायों को सहयोग देना और विकास दर को बनाए रखना है। क्या होता है रेपो रेट रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर आरबीआई बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। इसका सीधा प्रभाव लोन, ईएमआई, बचत और निवेश पर पड़ता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पिछले वित्त वर्ष के फरवरी 2026 में हुई अंतिम एमपीसी की बैठक में रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। हालांकि, रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2025 से अब तक रेपो रेट में कुल 125 फीसदी की कटौती कर चुका है। आखिरी कटौती दिसंबर, 2025 में हुई थी, जब रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी किया गया था।

फाक्सवैगन टायगुन का फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फाक्सवैगन कंपनी अपनी पापुलर मिड-साइज एसयूवी फाक्सवैगन टायगुन के फेसलिफ्ट वर्जन को 9 अप्रैल को लान्च करने जा रही है। इस नए माडल के जरिए कंपनी अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की तैयारी में है। लान्च से पहले कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है, जिसमें इसके नए डिजाइन और अपडेटेड फीचर्स की झलक देखने को मिली है। फेसलिफ्टेड टायगुन के एक्सटीरियर में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इसमें स्लीक एलईडी हेडलाइट्स, कनेक्टेड एलईडी लाइट बार और इल्यूमिनेटेड फाक्सवैगन लोगो दिया गया है, जो इसे ज्यादा माडर्न और प्रीमियम लुक देता है। फ्रंट बंपर को भी नए सिरे से डिजाइन किया गया है, जिससे कार की रोड प्रेजेंस बेहतर हो गई है। टीजर में रेड फिनिश के साथ जीटी बैज भी नजर आया है, जो इसके स्पोर्टी वेरिएंट की ओर इशारा करता है। रियर प्रोफाइल में टेललैंप्स के डिजाइन में मामूली बदलाव और नया लाइटिंग पैटर्न देखने को मिलेगा।

स्वदेशी कंपनी टाटा और महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा भारतीय बाजार में अपनी कई नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लान्च करने की तैयारी में हैं। इन अपकमिंग माडल्स में महिंद्रा बीई 07, महिंद्रा एक्सईवी 9ई, टाटा अविन्या, टाटा सफारी ईवी और टाटा सियेरा ईवी शामिल हैं, जो दमदार रेंज, आधुनिक फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन के साथ आएंगी। महिंद्रा अपनी नई बीई 07 को मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में पेश करेगी, जिसकी टेस्टिंग शुरू हो चुकी है। यह 59 केडब्ल्यूएच, 70 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्पों के साथ आ सकती है और इसका मुकाबला आने वाली कई इलेक्ट्रिक एसयूवी से होगा। वहीं, कंपनी एक्सईवी 9ई और बीई6 में 70 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक का नया वेरिएंट जोड़ने जा रही है, जो करीब 242 बीएचपी की पावर और 380 एनएम टार्क के साथ लगभग 600 किमी तक की रेंज देने में सक्षम हो सकता है। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी अविन्या के जरिए एक नया सेगमेंट बनाने की तैयारी में है। यह माडल केवल इलेक्ट्रिक प्लेटफार्म पर आधारित होगा और 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में लान्च हो सकता है। इसके अलावा सफारी ईवी कंपनी की पहली थ्री-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जिसे फेस्टिव सीजन के आसपास पेश किए जाने की उम्मीद है। इसमें 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प के साथ रियर-व्हील और आल-व्हील ड्राइव सिस्टम मिल सकता है। इसके साथ ही सियेरा ईवी भी कंपनी की बड़ी पेशकश होगी, जिसे 2026 के मध्य तक लान्च किया जा सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच दो सप्ताह तक सीजफायर का ऐलान होने के बाद ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। लेकिन, डाउ जान्स फ्यूचर्स जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में चौतरफा खरीदारी होती हुई नजर आ रही है।

पश्चिम एशिया में जारी जंग में अगले दो सप्ताह तक के लिए सीजफायर का ऐलान होने के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। इस दबाव की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 6,616.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 21,990.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि सीजफायर का ऐलान होने के बाद डाउ जान्स फ्यूचर्स में जोरदार तेजी आ गई। फिलहाल यह सूचकांक 1,082.12 अंक यानी 2.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,666.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सीजफायर का ऐलान होने के पहले पिछले सत्र के दौरान यूरोपीय बाजार भी दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,348.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,908.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 246.49 अंक यानी 1.08 प्रतिशत टूट कर 22,921.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच सीजफायर का ऐलान होने के कारण एशियाई बाजार में जबरदस्त जोश बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक जोरदार उछाल के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 841.50 अंक यानी 3.64 प्रतिशत उछल कर 23,979 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 767.47 अंक यानी 2.97 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 25,884 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 387.03 अंक यानी 7.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,881.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,852.44 अंक यानी 5.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56,282 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,361.47 अंक यानी 4.10 प्रतिशत उछल कर 34,591.29 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 195.16 अंक यानी 2.80 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,166.19 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,964.72 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,484.82 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,992.64 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सरकार उद्योगों के लिए राहत पैकेज पर कर रही काम

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए सरकार उद्योगों के लिए व्यापक राहत उपाय तैयार कर रही है। सूत्रों के अनुसार इसमें एमएसएमई सहित विभिन्न सेक्टरों को समर्थन देने की योजना शामिल है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि युद्ध से प्रभावित सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) समेत कई उद्योगों के लिए राहत उपायों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह राहत केवल एमएसएमई तक सीमित नहीं होगी और इसके स्वरूप को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है कि यह एक बड़े पैकेज के रूप में होगा या चरणबद्ध तौर पर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, सरकार लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना पर विचार कर रही है। इसके तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष से उत्पन्न डिफाल्ट की स्थिति में बैंक ऋण पर 100 करोड़ रुपये तक लगभग 90 फीसदी की गारंटी प्रदान की जाएगी। यह गारंटी नैशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा दी जाएगी, जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

नेटिव साउथ – किचन एंड ब्रू हाउस' का भव्य आगाज़: दक्षिण भारतीय स्वाद का नया केंद्र

हैदराबाद, 08 अप्रैल (एजेंसियां)। पारंपरिक दक्षिण भारतीय व्यंजनों को समर्पित एक जीवंत नया डाइनिंग डेस्टिनेशन, 'नेटिव साउथ – किचन एंड ब्रू हाउस' हैदराबाद में शुरू हो गया। नरसिंगी में स्थित यह रेस्टोरेंट शहर के भोजन प्रेमियों और पड़ोसी आईटी हब के पेशेवरों के लिए एक पसंदीदा स्थान बनने के लिए तैयार है।

नेटिव साउथ किचन एंड ब्रू हाउस तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल की पुरानी और प्रतिष्ठित रेसिपीज़ को एक साथ लाता है। यहाँ के व्यंजनों को ताजी और स्थानीय सामग्रियों का उपयोग करके तैयार किया जाता है। मेनू में क्षेत्रीय विविधताओं के साथ-साथ आधुनिक पसंद को ध्यान में रखते हुए अभिनव 'प्लांट-बेस्ड' (पौधों पर आधारित) और स्वास्थ्य-केंद्रित विकल्प भी शामिल किए गए हैं।

यह संस्थान केवल एक रेस्टोरेंट से कहीं बढ़कर है-इसका लक्ष्य एक ऐसा सामुदायिक स्थान बनना है जहाँ परिवार, दोस्त और कामकाजी पेशेवर दक्षिण भारतीय संस्कृति और सामूहिक भोजन का आनंद लेने के लिए एकत्रित हो सकें।

नेटिव साउथ के साथ, हम एक ऐसी जगह बनाना चाहते हैं जहाँ हैदराबादी परिवार और युवा पेशेवर प्रामाणिक स्वादों का आनंद लेने और अपनों के साथ समय बिताने के लिए आ सकें। दक्षिण भारतीय व्यंजनों की विरासत बहुत समृद्ध है, लेकिन हम इसे एक नए, आधुनिक और समावेशी तरीके से पेश करना चाहते थे।- श्री प्रवीण राव गांद्रा, मालिक, नेटिव साउथ – किचन एंड ब्रू हाउस

पारंपरिक व्यंजनों और बेहतरीन माहौल के संयोजन के साथ, नेटिव साउथ एक ऐसी जगह बनाने की ओर अग्रसर है जहाँ हर मेहमान साहसिक स्वादों का अनुभव कर सके और नई यादें संजो सके।

ट्राई का नया प्रस्तावः कंपनियों को देना होगा वायस-एसएमएस का अलग प्लान

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मंगलवार को टेलीकाम कंपनियों को मोबाइल प्लान को लेकर नया प्रस्ताव दिया है। अब फोन काल और एसएमएस वाले सस्ते प्लान अनिवार्य किए जा सकते हैं। प्रस्ताव के अनुसार, टेलीकाम आपरेटर्स को बिना डाटा वाला प्लान देना होगा। इनकी कीमत मौजूदा विशेष डाटा प्लान से कम होगी। दूरसंचार नियामक क्यों लाया नया प्रस्ताव दूरसंचार नियामक ने कहा कि कंपनियां पहले भी ऐसे प्लान लाई थीं। लेकिन उनकी कीमत ज्यादा रखी गई। डाटा लाभ हटाने के बावजूद अनुपात में इन कीमतों को कम नहीं किया गया। नियामक ने कहा,पहले किए गए बदलाव का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा है। इसी वजह से नया संशोधित प्रस्ताव लाया गया है। अनचाही सेवाएं लेने के लिए मजबूर नहीं होंगे ग्राहक कंपनियों को अब हर वैधता अवधि के लिए फोन काल, एसएमएस और डाटा वाले प्लान के साथ सिर्फ काल और एसएमएस वाला प्लान भी देना होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। ग्राहकों को अनचाही सेवाएं लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। डाटा न चाहने वाले उपभोक्ताओं को नहीं देने होंगे पैसे ट्राई ने कहा कि जिन लोगों को डाटा की जरूरत नहीं है, उन्हें उसके लिए पैसे नहीं देने होंगे। इससे ग्राहकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे। काल और एसएमएस वाले प्लान डाटा वाले प्लान के बराबर उपलब्ध होंगे। इस प्रस्ताव पर 28 अप्रैल तक सुझाव मांगे गए हैं।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु भी दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार के भाव यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तार-तार...

इजरायली पीएम ने स्पष्ट किया है कि इजराइल की सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले लगातार किए जाएंगे, क्योंकि यह कार्रवाई तेहरान के साथ हुए किसी भी समझौते का हिस्सा नहीं है। नेतन्याहू के इस बयान से साफ है कि भले ही ईरान के साथ सीजफायर लागू हो, लेकिन इजरायल अपनी सुरक्षा रणनीति में कोई ढील देने के मूड में नहीं है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

अमेरिका पर नहीं भरोसा, धोखे का है इतिहास 0 ईरान

दूसरी ओर, ईरान ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर लेबनान पर इजराइल के हमले तुरंत नहीं रोके गए, तो पूरे क्षेत्र में जोरदार जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने इस मुद्दे पर शहबाज शरीफ से बातचीत भी की और सीजफायर उल्लंघन की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही, जापान के प्रधानमंत्री के साथ फोन पर बात करते हुए ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका पर भरोसा न जताते हुए कहा कि उसका धोखा देने का पुराना इतिहास रहा है, इसलिए उस पर विश्वास करना मुश्किल है।सीजफायर के बावजूद बयानबाजी, हमले और जवाबी कदम यह संकेत दे रहे हैं कि हालात अभी भी बेहद अस्थिर बने हुए हैं और किसी भी समय यह संघर्ष फिर बड़े युद्ध में बदल सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच बुधवार सुबह दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया गया था, जिसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि मिडिल ईस्ट में शांति बहाल होगी और युद्ध खत्म होने की दिशा में बढ़ेगा।

ट्रंप का बड़ा...

इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है।विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर चीन वास्तव में बातचीत को आगे बढ़ाने में सफल होता है, तो यह वैश्विक कूटनीति में उसकी भूमिका को और मजबूत कर सकता है और युद्ध को शांत करने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकता है।गौरतलब है कि करीब 40 दिनों तक चली अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग के बाद बुधवार की सुबह अगले दो हफ्ते के लिए सीजफायर का ऐलान किया गया है। इसमें चीन का महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि इससे एक तरफ जहां होर्मुज के खुलने पर वैश्विक ऊर्जा संकट खत्म होगा वहीं मिडिल ईस्ट में तनाव पर ब्रेक लग जाएगा।

सऊदी अरब की तेल...

सूत्रों का कहना है कि इस हमले से पाइपलाइन के माध्यम से होने वाला प्रवाह प्रभावित होने की आशंका है और वर्तमान में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को दुनिया का अब तक का सबसे खराब ऊर्जा संकट करार दिया है। सऊदी अरामको घरेलू स्तर पर लगभग 20 लाख बैरल प्रति दिन का उपयोग करती है, जिससे निर्यात के लिए लगभग 50 लाख बैरल प्रति दिन बचता है। शिपिंग आंकड़ों के अनुसार, 19 मार्च को यानबू हब को निशाना बनाने वाले हमलों के बावजूद, 23 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में यानबू की लोडिंग क्षमता लगभग 46 लाख बैरल प्रति दिन के करीब थी। पाइपलाइन पर ताज़ा हमले से वैश्विक आपूर्ति शृंखला और अधिक चरमरा सकती है।

सीओपी33...

करना और एक खाका तैयार करना था।संयुक्त राष्ट्र के तहत होने वाले इन वार्षिक जलवायु सम्मेलनों की मेजबानी अलग-अलग क्षेत्रीय समूहों के बीच घूम-घूमकर दी जाती है। इन समूहों में अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका, पूर्वी यूरोप और पश्चिमी यूरोप व अन्य देशों का समूह शामिल होता है। इस साल सीओपी31 की मेजबानी तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया मिलकर करेंगे, जबकि अगले साल सीओपी सम्मेलन इथियोपिया की राजधानी में आयोजित होगा।सीओपी यानी कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज संयुक्त राष्ट्र के जलवायु फ्रेमवर्क (यूएनएफसीसीसी) के तहत होने वाला सबसे बड़ा वार्षिक सम्मेलन है। इसमें दुनिया भर के देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए रणनीति, लक्ष्य और नीतियों पर चर्चा करते हैं। हर साल यह सम्मेलन किसी एक देश की मेजबानी में होता है, जहां वैश्विक स्तर पर जलवायु कार्रवाई को लेकर अहम फैसले लिए जाते हैं।

चोरी हुए स्कूटर...

एकीकरण (इंटीग्रेशन) की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि सीसीटीवी आधारित निगरानी ने अपराधी को सफलतापूर्वक कैमरे में कैद कर लिया, लेकिन चोरी के वाहनों के रिकॉर्ड के साथ रीयल-टाइम लिंक न होने के कारण चालान मूल मालिक को जारी हो गया।सोशल मीडिया पर नागरिकों ने इस बात की ओर इशारा किया कि ऐसी घटनाएं न केवल असुविधा का कारण बनती हैं, बल्कि एक प्रणालीगत चूक को भी दर्शाती हैं, जहां चोरी के पीड़ितों पर प्रक्रियात्मक खामियों के कारण अतिरिक्त बोझ डाला जाता है। कई लोगों ने अधिकारियों से विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने का आग्रह किया ताकि चोरी के वाहनों को सभी प्रवर्तन प्लेटफार्मों पर फ्लैग किया जा सके। फिलहाल अधिकारियों ने इस शिकायत पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 09 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति का शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति ने दिनांक 8/4/26 को अपनी सभी 13 शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य के निर्माता होते हैं। उन्हीं के द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणा दी जाती है और संस्कार तथा चरित्र निर्माण की महत्ता बताई जाती है। प्राचीन कालीन शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। समयानुसार स्वयं को वर्तमान की आवश्यकता अनुसार बदलना शिक्षकों के लिए अनिवार्य सा हो गया है। प्रशिक्षण प्रोग्राम शिक्षकों में नई विधाओं को अपनाने और स्वयं को प्रेरणा, ऊर्जा प्रदान करने का एक माध्यम होता है। ऐसे प्रोग्राम उनमें उत्साह भरते हैं और शिक्षा प्रदान करने की नई प्रायोगिक विधाओं को अपनाने की रुचि प्रदान करते हैं एवं मार्गदर्शक बनते हैं।

इस अवसर पर मंच पर समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार जी केडिया, ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमेन डॉ. श्याम सुंदर, मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, संयुक्त मंत्री श्री राजेश कुमार अग्रवाल एवं मुख्य अतिथि श्री राजेश परशाद (मानवीय क्षमता प्रशिक्षक) मंचासीन रहे।कार्यक्रम का प्रारंभ परंपरागत पद्धति से दीप प्रज्वलन एवं ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की वंदना से हुआ।

स्वागत भाषण में प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत

अपने स्वागतीय वक्तव्य में सभी का अभिनंदन करते हुए समिति के मानद मंत्री श्री नवीन कुमार अग्रवाल जी ने कहा कि राजेश परशाद जी को समिति में पाकर वे अत्यंत प्रसन्न हैं। उनके जीवन की शुरुआत अग्रवाल शिक्षा समिति में टाइपिस्ट के रूप में हुई और वे प्रगति करते हुए एम.बी.ए. डायरेक्टर के पद पर पहुंचे। उनके अनुभव हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि समिति में प्रतिभाओं का खजाना है, लेकिन संकोचवश कुछ लोग आगे आने से झिझकते हैं। आज का कार्यक्रम सभी के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।

शिक्षण कौशल को निखारने पर दिया गया जोर

डॉ. श्याम सुंदर जी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षण एक आदर्श कौशल है और सभी शिक्षकों को अपनी योग्यता और प्रतिभा को समय-समय पर कुशाग्र बनाना चाहिए।

अपने अध्यक्षीय संभाषण में श्री प्रमोद कुमार जी केडिया ने कहा कि आज का दिन स्मरणीय रहेगा। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, जो उन्हें नई शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराते हैं और विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान देने में सहायक होते हैं। मंचासीन गणमान्यों द्वारा मुख्य प्रशिक्षक को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण सत्र में आधुनिक कौशलों पर जोर

इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के कर्ताधर्ता श्री राजेश परशाद ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने रचनात्मक सोच, आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व कौशल, सहयोग, समस्या समाधान तथा माइंडसेट स्किल्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अभ्यास करवाया। प्रशिक्षण सत्र में इन गुणों के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें जीवन और शिक्षण में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

उन्होंने सर्वश्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, रतन टाटा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, लक्ष्मी मित्तल, दशरथ मांझी सहित अनेक महान व्यक्तियों के जीवन प्रसंगों के माध्यम से समझाया कि कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक सोच, निरंतर प्रयास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम में सामूहिक गतिविधियाँ, विचार-विमर्श तथा प्रेरणादायक उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षण विधाओं की व्यापक जानकारी दी गई। सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार जी केडिया, चेयरमेन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर, मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, संयुक्त सचिव राजेश अग्रवाल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के प्राध्यापक एवं शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समिति की अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन, संयुक्त अकादमी निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, सी.ए.ओ. श्रीमती आराधना मोदानी, अग्रवाल बॉयज जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल उमेश कुमार, मुख्य कार्यालय अधिकारी श्री गोवर्धन दास एवं श्री विनोद कुमार का इस कार्यक्रम की सफलता में अभूतपूर्व योगदान रहा।कार्यक्रम का संचालन एन.बी.एस.सी. की अंग्रेजी प्राध्यापिका श्रीमती जी. कविता ने किया। एल.बी.एम.टी. की शिक्षिका श्रीमती प्रीति अनुप्रीता ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया, जबकि बी.बी.एम.एस. की शिक्षिका श्रीमती बबीता गोयल ने आभार व्यक्त किया। अंत में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

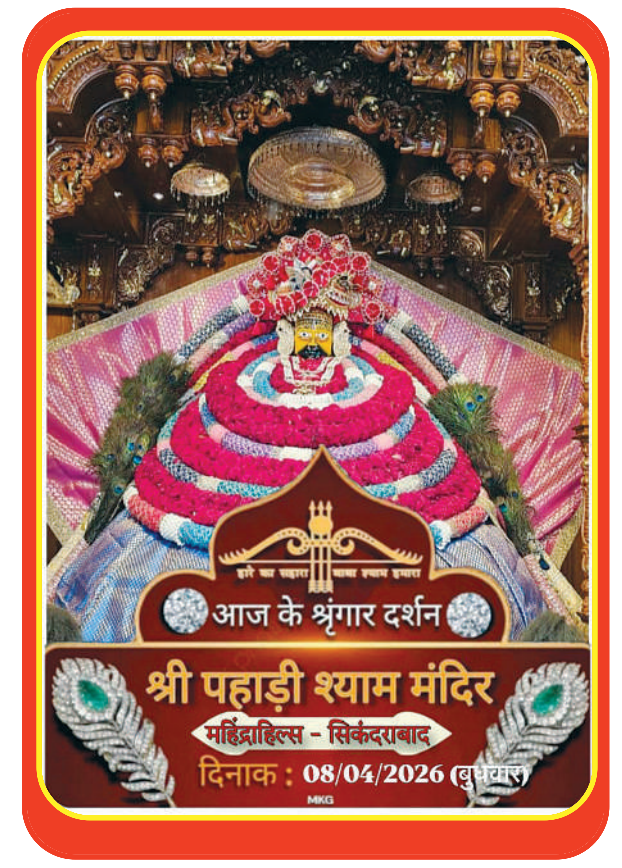

लेखक राजकुमार अज्ञानी द्वारा रचित चार पुस्तकों का विमोचन कथा व्यास पंडित श्री पवन कुमार मालोदिया ने नगर में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन के दौरान किया। अज्ञानी द्वारा रचित 4 पुस्तकें क्रमशः- चार युगों का रहस्य, क्या है मानव जीवन का रहस्य, संसार या शमशान और तीसरा ग्रहण4पर चर्चा की गई।

बेगम बाजार में सेवा का संगम, अन्नदान का आयोजन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गोशाला के सामने बुधवार को अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया और मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं होता। राधे-राधे ग्रुप निरंतर इसी भावना के साथ समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, राजेश सर (योगा), महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, पन्ना लाल जी, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं मीना अग्रवाल सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

इरिसेट और आईआईटी (बीएचयू) के बीच समझौता ज्ञापन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरीं एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट), सिकंदराबाद ने दिनांक 08.04.2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी/बीएचयू), वाराणसी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को परियोजना/अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे सिगनलिंग तथा स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 0 कवच से परिचित कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य परियोजनाओं पर सहयोग को सुदृढ़ करना तथा स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 0 कवच एवं आधुनिक रेलवे सिगनलिंग प्रणालियों के क्षेत्र में नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों का अन्वेषण करना है। इरिसेट, आईआईटी (बीएचयू) के संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से इन पहलों में सहयोग करेगा तथा छात्रों को बेहतर शिक्षण अनुभव प्रदान करने हेतु इरिसेट में उन्नत प्रयोगशाला सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा। यह पहल रेलवे मंत्रालय के मिशन क्षमता सह दक्षता निर्माण के अंतर्गत की गई है।

श्री शरद कुमार शीवास्तव, आईआरए-सएसई, महानिदेशक, इरिसेट एवं प्रो. अमित पात्रा, आईआईटी (बीएचयू) के निदेशक द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर रेलवे के अधिकारी श्री टी. रमेश बाबू, वरिष्ठ आचार्य (सिगनल-खख एवं कवच) तथा आईआईटी (बीएचयू) के अधिकारी प्रो. राजेश कुमार, डीन आर एंड डी एवं प्रो. कल्पना चौधरी, प्रोफेसर, विद्युत इंजीनियरीं विभाग उपस्थित थें।

जूलियस सीज़र नाटक का भव्य मंचन, दर्शकों ने सराहा प्रदर्शन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व रंगमंच दिवस के उपलक्ष्य में 06 अप्रैल 2026 को भक्ति साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन शोध संस्थान, उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा त्यागराज गान सभा, हैदराबाद में शेक्सपियर के सुप्रसिद्ध नाटक जूलियस सीज़र का भव्य मंचन किया गया। इसका निर्देशन एवं तेलुगु रूपांतरण प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार ने किया। 15-20 कलाकारों पर आधारित इस नाटक को बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षाविदों, नाटककारों और श्रोताओं ने खूब सराहा। कलाकारों के सशक्त अभिनय ने दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा। इस नाटक की कहानी बहुआयामी है और इसमें कई स्तरों पर संदेश निहित हैं। एक ओर यह दर्शाता है कि देश सर्वोपरि है, वहीं दूसरी ओर सत्ता के स्वार्थ में मित्र कब शत्रु बन जाए, इसका कोई निश्चित समय नहीं होता। नाटक में मानव स्वभाव, स्वार्थ और भ्रम की गहराई को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।नाटक में जूलियस सीज़र की भूमिका प्रो. प्रदीप कुमार ने निभाई, जबकि उनकी पत्नी कैल्फुर्निया का पात्र डॉ. वंदना ने साकार किया। अन्य प्रमुख पात्रों में ब्रुटस, मार्क एंटनी, कासका और कैसियस शामिल रहे। लगभग एक घंटे के इस नाटक की मंच सज्जा कथानक के अनुरूप रही। विशेष रूप से मुख्य पात्रों की वेशभूषा, मेकअप, प्रकाश व्यवस्था और लाइव संगीत ने दर्शकों का मन मोह लिया।

नाटक के सफल मंचन के लिए प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार और डॉ. वंदना को बधाई दी गई तथा भविष्य में भी ऐसे प्रेरक और सार्थक नाटकों के मंचन की अपेक्षा व्यक्त की गई।

तेलंगाना राशन चावल वितरण: डीलरों ने कम वजन और हेराफेरी के लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने भीषण गर्मी को देखते हुए तीन महीने का राशन चावल अग्रिम रूप से वितरित करना शुरू कर दिया है। इसके तहत प्रत्येक लाभार्थी को एक ही बार में 18 किलो बारीक चावल दिया जा रहा है (6 किलो प्रति व्यक्ति प्रति माह के हिसाब से)। इस फैसले से उचित मूल्य की दुकानों (राशन की दुकानों) पर भारी भीड़ उमड़ रही है और डीलर वितरण सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अतिरिक्त घंटों तक काम कर रहे हैं।

बोरियों में कम वजन और स्टॉक की कमी का दावा

हालांकि, कई राशन डीलरों ने अब गंभीर चिंता जताई है। उनका दावा है कि सरकारी गोदामों से आपूर्ति किए जा रहे चावल के कट्टों का वजन कम है। डीलरों के अनुसार, प्रत्येक 50 किलो की बोरी में लगभग 4 किलो चावल कम निकल रहा है, जिससे उन्हें प्रति क्विंटल लगभग 8 किलो का नुकसान हो रहा है। डीलरों का आरोप है कि गोदामों में धर्मकांटा (वेब्रिज) होने के बावजूद अधिकारी बिना वजन किए स्टॉक भेज रहे हैं। नारायणपेट, वानपर्ति, सिद्दीपेट, जगतियाल, विकाराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल जिलों के डीलरों ने इस संबंध में अपने राज्य संघ से संपर्क कर तत्काल सरकारी कार्रवाई की मांग की है।

राशन चावल की कालाबाजारी और हेराफेरी के आरोप

इस बीच, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के चावल के डायवर्जन (हेराफेरी) के नए आरोप भी सामने आए हैं। सूत्रों का दावा है कि कुछ स्टॉक वास्तविक लाभार्थियों के बजाय निजी मिल मालिकों तक पहुंच रहा है। संदेह है कि कुछ व्यापारी पीडीएस चावल को करीब 15 रुपये प्रति किलो में खरीदकर उसे 'कस्टम मिल्ड राइस' के रूप में सरकार को वापस आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि खुले बाजार में बारीक चावल की कीमत 60 रुपये प्रति किलो तक है।

परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सर्व ब्राह्मण परिषद एवं राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा आगामी भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर घांसी बाजार स्थित गायत्री भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न ब्राह्मण समाजों के अध्यक्षों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ब्राह्मण ऑर्गेनाइजेशन फॉर सोशल सर्विस (इजडड) के चेयरमैन उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए जल्द ही एक और बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें विस्तृत योजना तैयार की जाएगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा, जो आयोजन की जिम्मेदारियां संभालेंगी। इनमें प्रमुख रूप से प्रचार समिति, व्यवस्थापक समिति, प्रसाद वितरण समिति आदि शामिल होंगी, ताकि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।

बैठक में वेद प्रकाश जोशी, पवन मिश्रा, रामदेव नागला, लाडू ओझा, विशाल शर्मा, श्रीलाल पारिख, सधन्य मंसबदार, सुधाकर शर्मा, भरा चंदा, सूर्य शुक्ला, दुर्गा शर्मा, सूर्यप्रकाश अन्नावाजुलु, पवन कुमार तिवारी, रामेश्वर मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडेय, विजय ओझा, रमेश तिवारी, संदीप जयलवाल, गोविंद शर्मा सहित विभिन्न ब्राह्मण समाजों के अध्यक्ष एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक में यह भी तय किया गया कि अगली बैठक आगामी रविवार को पारिख भवन, कोलसावाड़ी, बेगम बाजार में आयोजित की जाएगी, जिसमें आयोजन की अंतिम रूपरेखा तैयार की जाएगी।

हिन्दी हमारे जीवन से जुड़ी हुई भाषा है : प्रो. एन नागराजू

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08-09 अप्रैल 2026 तक हिन्दी साहित्य के छः मूर्धन्य साहित्यकारों कृष्णा सोबती, अमरकांत, श्रीलाल शुक्ल, गोपालदास 'नीरज', मोहन राकेश और धर्मवीर भारती पर केंद्रित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दिनांक 08 अप्रैल 2026 को उद्घाटन सत्र का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ दोपहर 3 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिससे पूरे सभागार में एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक वातावरण निर्मित हुआ।

स्वागत भाषण में प्रो. सोनबा सालवे, अधिष्ठाता, साहित्यिक अध्ययन संकाय ने मंचासीन श्री संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, रुचि मिश्रा, अधिष्ठाता, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, प्रो. सुनील बाबूराव कुळकर्णी, निदेशक, केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा के साथ- साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन नागराजू और कुलसचिव श्रीमती सिनी मनचाला की गरिमामयी उपस्थिति के प्रति अभिवादन किया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, अंतरराष्ट्रीय हिन्दी केन्द्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट ने संगोष्ठी के लिए शुभकामना संदेश प्रेषित किया था तथा इस प्रकार के आयोजन के लिए हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. रेखा रानी का आभार प्रकट किया।

हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.टी.जे.रेखा रानी ने संगोष्ठी के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह आयोजन हिन्दी साहित्य के छः मूर्धन्य साहित्यकारों के जन्मशती समारोह के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। उन्होंने इन साहित्यकारों के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि इनके लेखन ने हिन्दी साहित्य को नई दिशा प्रदान की और समाज में मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विभागीय पत्रिका न केवल अकादमिक गतिविधियों का दर्पण है, बल्कि यह नवोदित लेखकों एवं शोधार्थियों के लिए अभिव्यक्ति का सशक्त मंच भी है। उन्होंने प्रो. एन. नागराजू, कुलपति और श्रीमती सिनी मनचाला, कुलसचिव के मार्गदर्शन और समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा इसके साथ-साथ उन्होंने संगोष्ठी के प्रमुख सूत्रधार रहे रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, डॉ. जवाहर कर्णावट और उनके संस्थान के प्रति वित्तीय सहायता के लिए आभार प्रकट किया।

उद्घाटन सत्र में मंचस्थ अतिथियों तथा विभाग के अन्य सदस्यों द्वारा विभाग की छमाही पत्रिका 'समुच्चय' के तीन अंकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, कुलसचिव एवं अधिष्ठाता के साथ-साथ हमारे विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव, अधिष्ठाता की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से पत्रिका का विमोचन किया।

मुख्य अतिथि श्री संतोष चौबे ने अपने वक्तव्य में हिन्दी साहित्य के इन छः मूर्धन्य साहित्यकारों के जीवन, कृतित्व एवं विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन्मशती समारोह केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों को वर्तमान संदर्भों में पुनः स्थापित करने का भी माध्यम है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को साहित्यिक चेतना के संवर्धन हेतु अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने आज के आधुनिक समय और विज्ञान के युग में साहित्य की अनिवार्यता पर विस्तार से बात किया। इसी क्रम में उन्होंने देकार्त, डार्विन के विकासवाद, फ्रायड के मनोविश्लेषणवाद, मार्क्स, गांधी और दीनदयाल उपाध्याय के विचार-सरणियों का उल्लेख किया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि विज्ञान युग और आधुनिक मनुष्य ने कैसे समाज में गड़बड़ियां पैदा किए हैं। इसके प्रमाण के रुप में प्रथम विश्वयुद्ध, द्वितीय विश्वयुद्ध और शीत युद्ध की विभीषिका को रेखांकित किया। हिन्दी और उसकी भाषाओं के संदर्भ में भी उन्होंने महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिन्दी और उसकी सारी भाषाओं का विकास तभी होगा जब सभी भारतीय भाषाओं का विकास करेंगे। सारी भाषाएं एक-दूसरे की सहोदर हैं।

डॉ. संगीता जौहरी ने इस संगोष्ठी में शामिल सभी साहित्यकारों की सृजनशीलता के संदर्भ में अपना विचार व्यक्त किया और कहा कि आज जिन रचनाकारों की जन्मशताब्दी मनायी जा रही है उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय समाज की संवेदना और आत्मा को व्यक्त किया है। इसके साथ-साथ उन्होंने हिंदी को वैश्विक फलक पर प्रचारित और प्रसारित करने में अपने संस्थान की भूमिका को रेखांकित किया और अपने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से भी अवगत कराया।

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुळकर्णी ने कहा कि इन रचनाकारों ने हिन्दी को वैश्विक पहचान दी है। इनकी जड़े भारतीय जनमानस, परंपरा और सनातन धर्म से जुड़ी हैं।

प्रो. एन.नागराजू, कुलपति ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य 'सर्व शब्देन भासते' को उल्लेखित करते हुए कहा कि पन्द्रहवीं-सोलहवीं शताब्दी का यूरोपीय साहित्य में इसी की विचार चेतना समाहित है। हिन्दी के संदर्भ में उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि हिन्दी हमारे जीवन से जुड़ी हुई भाषा है। हमें सभी भाषाओं के बीच सेतु बनाने की जरूरत है।

उद्घाटन सत्र का अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियदर्शिनी ने किया। इस अवसर पर सभागार में विभाग के सभी सदस्य के साथ-साथ अन्य विभागों के भी सदस्य, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

झूठे आरोपों को लेकर तेलंगाना मंत्री पोंगुलेटी का केसीआर और बीआरएस पर तीखा हमला

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), के.टी. रामा राव (केटीआर) और टी. हरीश राव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेतृत्व पर कांग्रेस सरकार और उसके मंत्रियों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाया।

सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर निराधार आरोप लगा रहे हैं, ताकि पिछली सरकार के दौरान हुई कथित अनियमितताओं से ध्यान भटकाया जा सके।

उन्होंने उन्हें अपने खिलाफ किसी भी गलत काम को साबित करने की चुनौती दी और कहा कि यदि उनके खिलाफ कोई भी आरोप सिद्ध होता है, तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे।

भूमि विवादों पर स्पष्टीकरण और पिछली सरकार को घेरा

नादरगुल भूमि मुद्दे के आरोपों का जिक्र करते हुए, पोंगुलेटी ने दावा किया कि विवादित भूमि पर सभी पंजीकरण, म्यूटेशन और विकासात्मक गतिविधियां 2014 से 2023 के बीच पिछली बीआरएस सरकार के दौरान हुई थीं। उन्होंने इस मामले को वर्तमान सरकार से जोड़ने की कोशिशों पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने पदभार संभालने के बाद अदालत में जवाबी हलफनामा दायर कर जमीन को सरकारी संपत्ति बताया है और कानूनी रूप से इस मामले को लड़ रही है।

वहीं, वत्तिनगुलापल्ली भूमि विवाद पर मंत्री ने आरोप लगाया कि यह एक निजी पारिवारिक विवाद है जिसे राजनीतिक कारणों से अनावश्यक रूप से सरकार से जोड़ा जा रहा है, जबकि इस मामले का राज्य प्रशासन से कोई लेना-देना नहीं है।

कोटवालगुडा क्रशर संचालन से जुड़े अवैध खनन के आरोपों के संबंध में, पोंगुलेटी ने अपने परिवार और संबंधित व्यावसायिक संचालन के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वामित्व और परिचालन विवरण स्थापित करने के लिए दस्तावेजी सबूत मौजूद हैं। मंत्री ने आगे बीआरएस नेतृत्व पर अपने दशक भर के शासन के दौरान भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि भूमि और खनन से संबंधित कई अनियमितताएं चल रही जांच के माध्यम से सामने आएंगी।

पारदर्शी शासन और कांग्रेस की प्रतिबद्धता

उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पारदर्शी रूप से काम कर रही है और राजनीतिक विचारों की परवाह किए बिना भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी। इस संवाददाता सम्मेलन के दौरान पोंनम प्रभाकर और सीताक्का सहित कई मंत्री, सांसद और विधायक उपस्थित थे।

उटनूर: बच्चन की कविता पर प्रभावी विस्तार व्याख्यान

उटनूर/आसिफाबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शासकीय स्नातक महाविद्यालय, उटनूर (जिला आदिलाबाद) में बुधवार को हिंदी विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि तेलंगाना शासकीय स्नातक महाविद्यालय, आदिलाबाद के हिंदी विभाग सहायक आचार्य राठौड़ श्रावण ने आधुनिक हिंदी साहित्य में हालावाद के प्रमुख कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता तू क्यों बैठ गया है पथ पर का आईसीटी नेटवर्क आधारित तकनीकी उपकरणों से प्रभावी पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय इंचार्ज प्रिंसिपल डॉ. जी. साईं प्रसाद ने शाल ओढ़ाकर राठौड़ श्रावण का सम्मान किया। हिंदी विभाग प्राध्यापिका डॉ. कांचना तथा छात्र-छात्राएँ भी उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से 9वीं कक्षा के छात्र की मौत, पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया

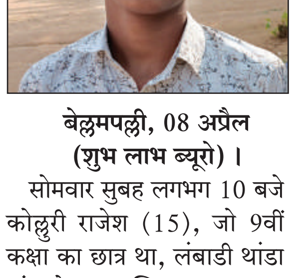

बेल्लमपल्ली, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । सोमवार सुबह लगभग 10 बजे कोल्लुरी राजेश (15), जो 9वीं कक्षा का छात्र था, लंबाडी थांडा गांव के पास स्थित तालाब पर दोस्तों साई चरण, देवैया और राम चरण के साथ खेलने तथा नहाने गया था।

खेलते समय राजेश गलती से तालाब में गिर गया और तैरने से पहले ही डूब गया।

मृतक के पिता शंकर की शिकायत पर पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पोलिस घटनास्थल पर मर्ग कार्यवाही व आवश्यक जांच-पड़ताल कर रही है तथा घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गवाहों से पूछताछ कर रही है।

केबीआर पार्क पर अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा और रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ अन्नदान कार्य में भाग लिया।इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान है और इससे न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटती है, बल्कि मन को भी सच्ची शांति मिलती है।

नि:शुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी होम्योपैथी अस्पताल, मोतीगली के तत्वावधान में श्री श्री श्री महाकालेश्वर मंदिर, मीरालम मंडी में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शिविर में स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर के दौरान विभिन्न प्रकार की दीर्घकालिक एवं तात्कालिक बीमारियों से संबंधित रोगियों की निःशुल्क जांच की गई तथा आवश्यक होम्योपैथिक दवाइयां वितरित की गईं। इस पहल से क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुविधा प्राप्त हुई।

इस शिविर की सफलता में श्री गाजुल अंजैया जी, श्री राहुल जी एवं श्री प्यारसानी वेंकटेश जी का विशेष सहयोग रहा। अस्पताल की अधीक्षक डॉ. पी. लक्ष्मी देवी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

शिविर में सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों में डॉ. सी.एच. अरुणा एवं डॉ. पी. राधाकृष्ण मोहन शामिल रहे। वहीं अन्य कर्मचारियों में श्रीमती नवनीता (फार्मासिस्ट), श्रीमती अनीता, श्रीमती वरलक्ष्मी, श्री असलम तथा जूनियर डॉक्टरों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता में होम्योपैथी चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य संरक्षण में भी यह शिविर अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

शिविर की सफलता में सहयोग देने वाले मंदिर समिति के सदस्यों, स्थानीय जनता एवं कर्मचारियों के प्रति अस्पताल प्रशासन ने आभार व्यक्त किया।

अभिनेत्री रेनू देसाई के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाला गुंटूर का व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद की साइबर अपराध पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभिनेत्री रेनू देसाई के खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने से संबंधित एक मामले का खुलासा किया है। जांच के दौरान, आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए जिम्मेदार आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

यूट्यूब रील पर की थी भद्दी टिप्पणी

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी चन्नैया रुंजाला के रूप में हुई है। आरोपी अपने खाली समय में अक्सर यूट्यूब पर रील देखता था। हाल ही में उसने अभिनेत्री रेनू देसाई की एक रील देखी, जिसके बाद उसने अपने यूट्यूब अकाउंट से एक अपमानजनक और भद्दी टिप्पणी पोस्ट की।

जब आरोपी गुंटूर में मौजूद था, तब साइबर अपराध पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसे गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी दी गई और फिर गचीबोवली स्थित साइबर अपराध पुलिस स्टेशन लाया गया।

सत्यापन के दौरान, आरोपी ने अपना मोबाइल फोन भी पेश किया, जिससे उसने उक्त टिप्पणी पोस्ट की थी।

सोशल मीडिया यूजर्स के लिए पुलिस की सलाह

साइबर अपराध पुलिस ने इस घटना के मद्देनजर जनता के लिए एक परामर्श जारी किया है:

सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन जिम्मेदार व्यवहार बनाए रखें और अपमानजनक, मानहानिकारक या आपत्तिजनक टिप्पणी करने से बचें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने पर कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

साइबर अपराध की रिपोर्ट करने की अपील

पुलिस ने नागरिकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से उपयोग करने और किसी भी साइबर अपराध की सूचना निकटतम साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में देने या 1930 साइबर हेल्पलाइन के माध्यम से देने के लिए प्रोत्साहित किया है। अधिक जानकारी और अपडेट के लिए नागरिक साइबराबाद पुलिस के आधिकारिक संचार चैनलों और सोशल मीडिया से जुड़ सकते हैं।

अग्रवाल समाज बोइनपल्ली शाखा की बैठक सम्पन्न, केंद्रीय समिति की कार्यप्रणाली पर सदस्यों ने जताया असंतोष

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बोइनपल्ली शाखा की कार्यकारिणी बैठक आज पैराडाइज स्थित 'करी पॉट होटल' में शाखा अध्यक्ष सुमित कुमार बंसल की अध्यक्षता में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के पूजन के साथ किया गया। इसके पश्चात पिछली बैठक के कार्यवृत्त एवं 31 मार्च 2026 तक के वित्तीय विवरण को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से महासचिव मोहित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश जी अग्रवाल, संयुक्त सचिव सौरभ झुनझुनवाला तथा कार्यकारिणी सदस्य उमेश खेतान, गजानंद अग्रवाल, नरेश अग्रवाल एवं दुर्गा प्रसाद बंसल उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे और संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान आगामी सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। श्रावण मास में आयोजित होने वाले 'सावन की सैर 2026' के लिए दो विकल्पों पर विचार किया गया, जिसकी अंतिम रूपरेखा जल्द ही ईसी सदस्यों द्वारा तय की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल एवं सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से अगले सप्ताह सुचित्रा सर्कल के पास 'बॉक्स क्रिकेट' टूर्नामेंट आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष सुमित कुमार बंसल ने इस वर्ष शाखा की सदस्यता बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए सभी पदाधिकारियों को अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती सक्रिय सदस्यता और सामूहिक सहभागिता पर निर्भर करती है।

बैठक का एक प्रमुख मुद्दा केंद्रीय स्तर पर मैरिज काउंसिल कमेटी को बिना किसी ठोस कारण के भंग किए जाने का रहा। इस निर्णय पर सदस्यों ने कड़ा ऐतराज जताया। सदस्यों ने बताया कि बोइनपल्ली शाखा के सदस्य दुर्गा प्रसाद जी बंसल (चेयरमैन, मैरिज काउंसिल कमेटी) एवं सुनील जी अग्रवाल (वाइस चेयरमैन) को हटाकर नई समिति के गठन की जानकारी सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त हुई, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस संबंध में शाखा ने केंद्रीय नेतृत्व को औपचारिक ईमेल भेजकर इस अचानक किए गए बदलाव तथा बिना किसी स्पष्टीकरण के समिति को भंग करने के कारणों पर स्पष्ट उत्तर मांगे जाने का निर्णय लिया है। सदस्यों ने पारदर्शिता एवं संवाद की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस प्रकार के निर्णय संगठन की एकता को प्रभावित कर सकते हैं। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सेवा का सच्चा भाव ही अन्नदान को बनाता है महान : सुरेश सिंघल

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में समाजसेवियों ने भाग लेकर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया और सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष सुरेश सिंघल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा कार्य कोई साधारण काम नहीं है, बल्कि यह तभी संभव है जब व्यक्ति के भीतर सच्चा सेवा भाव हो। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा जिस निष्ठा और समर्पण के साथ निरंतर अन्नदान किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। ऐसे कार्यों की प्रशंसा शब्दों में करना संभव नहीं है।कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, गौरव गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, जगन इलाकुर्थी, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय अग्रवाल एवं सविता अग्रवाल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बिहार प्रदेश के गया जिला अंतर्गत केसपा में नहर किनारे सड़क निर्माण की जांच

पटना, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश के गया जिला अंतर्गत टिकारी प्रखंड क्षेत्र में आम जनों की बहुप्रतीक्षित मखदुमपुर-केसपा-रतनी नहर किनारे सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र में खुशी की लहर है, लेकिन निर्माण कार्य की धीमी गति एवं गुणवत्ता में कमी को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

इस संबंध में आज बुधवार को केसपा गांव में निर्माण कार्य की जांच के लिए विभाग के पदाधिकारी एसी योगेंद्र पंडित एवं एई आकांक्षा पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान एसी योगेंद्र पंडित ने घटिया निर्माण कार्य पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संवेदक को कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा निर्माण कार्य में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया।इस मौके पर उपस्थित ग्रामीण हिमांशु शेखर ने बताया कि यह सड़क क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि सड़क बनने से सांसद आदर्श ग्राम केसपा स्थित लोक आस्था के महाकेंद्र मां तारा देवी मंदिर तक श्रद्धालुओं की पहुंच आसान होगी, जिससे ग्रामीण पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस संबंध में हिमांशु शेखर ने निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में जिला पदाधिकारी को भी अवगत कराया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से सड़क निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है।

3 मई से गौहत्या रोकने आमरण अनशन, डीसीपी शिल्पावल्ली को शिवकुमार ने सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य में प्रतिदिन बड़ी संख्या में हो रहे अवैध गोवध को रोकने तथा आगामी बकरीद के अवसर पर गोवध न होने देने के संबंध में माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेशों को सख्ती से लागू करने की मांग को लेकर युग तुलसी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं टीटीडी बोर्ड के पूर्व सदस्य के. शिवकुमार (कोलिशेट्टी शिवकुमार) के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज खैरताबाद जोन की डीसीपी के. शिल्पावल्ली (खझड) से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने 3 मई से प्रस्तावित आमरण अनशन के लिए अनुमति मांगते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा।इस अवसर पर के. शिवकुमार ने कहा कि सरकार एवं पुलिस प्रशासन को गोवंश संरक्षण के मुद्दे पर गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने अपने ज्ञापन में प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

ज्ञापन में प्रमुख मांगों में बकरीद के दौरान अवैध गो-परिवहन एवं गोवध पर सख्ती से रोक लगाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाने की बात कही गई है। साथ ही माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों को जमीनी स्तर पर पूर्ण रूप से लागू करने की मांग भी की गई है।इसके अतिरिक्त, गोवध को बढ़ावा देने या दंगों के लिए जिम्मेदार बताए गए मजलिस पार्टी एआईएमआईएम के नेताओं के खिलाफ तत्काल 'बाउंड ओवर' (बाइंड ओवर) की कार्रवाई करने की मांग रखी गई। वहीं, गो-रक्षकों एवं गो सेवकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें उचित सुरक्षा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है।के. शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि गोमाता के संरक्षण के उद्देश्य से वे 3 मई से खैरताबाद स्थित मिंट कंपाउंड के श्री त्रिशक्ति हनुमान मंदिर में आमरण अनशन प्रारंभ करेंगे। इस अवसर पर गो-सेवक कुप्पा श्रीनिवास प्रसाद, कोटागिरी श्रीनिवास पटेल, संगमेश्वर चारी, श्रीराम कुमार जोशी, डी. नागराज, महेंद्र रेड्डी, अरुण कुमार, राजारेड्डी, पूर्णचंद्र राव, धर्मेंद्र तिवारी (चझ) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डॉ. भोगीरेड्डी श्राव्या मानसा को नृत्य में पीएचडी, तेलुगु सिनेमा में नृत्य पर किया शोध

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रख्यात कुचिपुड़ी नृत्यांगना, कोरियोग्राफर एवं शोधकर्ता डॉ. भोगीरेड्डी श्राव्या मानसा को केंद्रीय हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा नृत्य विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई है। उनका शोध विषय तेलुगु सिनेमा में नृत्य: परिवर्तन और रूपांतरण रहा, जिसमें फिल्मी नृत्य पर शास्त्रीय परंपराओं-विशेषकर कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम-के प्रभाव तथा आधुनिक फ्यूजन शैलियों के विकास का विश्लेषण किया गया है।

यह शोध सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड कम्युनिकेशन में प्रो. एम.एस. शिवा राजू के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। शोध में सिनेमा को नृत्य के प्रसार का प्रभावी माध्यम बताते हुए उसके सौंदर्यशास्त्रीय, तकनीकी एवं अभिव्यक्तिपरक पहलुओं का अध्ययन किया गया है।

डॉ. मानसा 18 वर्षों से अधिक अनुभव रखने वाली प्रतिष्ठित नृत्यांगना हैं और 1700 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियां दे चुकी हैं। वह श्राव्या मानसा डांस एन्सेम्बल (डचऊए) की संस्थापक हैं तथा सुमधुर आर्ट्स अकादमी के माध्यम से भारत सहित विदेशों में भी नृत्य प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं।

उन्होंने बीटेक और एमटेक की पढ़ाई के बाद कला क्षेत्र को अपनाया और हैदराबाद मेट्रो रेल में कार्य करने के पश्चात पूर्णतः नृत्य को समर्पित हो गईं। वह तेलुगु फिल्म उद्योग में कोरियोग्राफर एवं डबिंग आर्टिस्ट के रूप में भी सक्रिय रही हैं तथा एक टीईडीएक्स वक्ता के रूप में भी जानी जाती हैं।

उन्हें तेलंगाना टैलेंट ऑफ द ईयर, प्राइड ऑफ तेलंगाना सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने दुबई, अबू धाबी सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व किया है।

डॉ. श्राव्या मानसा, भोगी श्रीनिवास की सुपुत्री हैं, जिन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी में कार्य किया है तथा सौ से अधिक फिल्मों में अभिनय भी किया है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना संपन्न, भक्तों ने लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में आयोजित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्तिमय वातावरण का अनुभव किया। इस अवसर पर विशेष रूप से दूध देने वाले गणेशजी की पूजा-अर्चना की गई, जिसमें उपस्थित भक्तों ने श्रद्धा एवं आस्था के साथ सहभागिता निभाई।

पूजा एवं आरती के दौरान भक्तों ने गणेशजी से सुख-समृद्धि एवं मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आरती कर धार्मिक उल्लास का वातावरण निर्मित किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला, दीपक बाबू, चंद्रकांत डकोटिया, राहुल सिंघल, सेसैया गरू, विजय कुमार अग्रवाल, बाबूलाल केडिया, विनोद टिकमानी, डॉ. राधा कृष्ण, मोहन लाल मित्तल, माया अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, विजया लक्ष्मी एवं विजया रेड्डी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

पांडुरंगा मंदिर को त्योहार की मूर्ति भेंट

बांसवाड़ा, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर की शांति नगर कॉलोनी में स्थित श्री श्री श्री रुक्मिणी सहिता पांडुरंगा स्वामी मंदिर को 9100 रुपये मूल्य की त्योहार की मूर्ति भेंट की गई।

यह मूर्ति संजीव गुप्ता और शिवालक्ष्मी के परिवार के सदस्यों द्वारा मंदिर को समर्पित की गई।

मंदिर के मुख्य पुजारी जपाल पांडुरंगा शर्मा ने बुधवार सुबह विधिवत रूप से इस मूर्ति को मंदिर में स्थापित किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के सदस्यों ने मूर्ति दान करने वाले परिवार की सराहना करते हुए उनके इस धार्मिक एवं पुण्य कार्य की प्रशंसा की।

रसूलपुरा समयिक महिला मंडल ने पांच तीर्थों के किए दर्शन

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि रसूलपुरा समयिक महिला मंडल द्वारा धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने विभिन्न जैन तीर्थों के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की।

मंडल की महिलाओं ने बलसाना स्थित विमलनाथ तीर्थ में सेवा, पूजा, स्नात्र पूजा, दर्शन एवं भक्ति का लाभ लिया। इसके पश्चात धूलिया जैन मंदिर, मनमाड, मालेगांव तथा मणिभद्र सहित कुल पांच तीर्थों के दर्शन किए गए।

इस अवसर पर शशिबेन जैन, नीताबेन बाफना, रोहिणीबेन भंडारी, देविकाबेन भंडारी, रेखाबेन भोर्डतरिया, लीलाबेन परमार, सविताबेन सिंघवी, रेखाबेन मेहता, ऊषाबेन मेहता, भागवंतीबेन बाफना, भारतीबेन सेठ, मंजूबेन सिंघी, पुष्पाबेन गेमावत, उर्मिलाबेन गोलेछा, अनीताबेन संघवी, मीणाबेन चौधरी, संगीताबेन कटारिया, सोनीबेन जैन, लीलाबेन मेहता, पुष्पाबेन तातेड, प्रभाबेन कोठारी, यशोदा बेन जैन, कलाबेन मेहता, अरुणाबेन कामदार एवं अनीताबेन शाह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों ने शशिबेन जैन एवं नीताबेन बाफना के विशेष सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं मनमाड में एक जैन परिवार द्वारा साधार्मिक भक्ति का लाभ लेने पर मंडल की सभी महिलाओं ने उनका बहुमान कर सम्मान प्रकट किया।

ड्रंक एंड ड्राइव केस में दो को तीन दिन की जेल, जुर्माना भी लगाया गया

बांसवाड़ा, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेकंड क्लास मजिस्ट्रेट गोपाल ने ड्रंक एंड ड्राइव मामले में दो आरोपियों को तीन दिन की जेल और प्रत्येक पर 2000 रुपये का जुर्माना लगाया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांधारी मंडल के गौराराम गांव निवासी किसान गेन सैलू (32) तथा काशीराम, निवासी बांसवाड़ा, इस मामले में शामिल हैं। वहीं बांसवाड़ा के एक अन्य व्यक्ति मोची सुरेश (30), जो अनुसूचित जाति से संबंधित हैं और मजदूरी करते हैं, को भी इस प्रकरण में सजा सुनाई गई। बांसवाड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को ड्रंक एंड ड्राइव करते हुए पकड़ा गया, जिसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। बुधवार को दोनों को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां सुनवाई के बाद यह सजा सुनाई गई।

DAILY शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 17040350N CFN Bodike Paramesh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from THIRUPATHAMMA to BODIKE THIRUPATHAMMA and also my father name is changed from CHANDRAIAH to BODIKE CHANDRAIAH

CHANGE OF NAME
I, AMALAKANTI NAGADURGA Spouse of Service No. 10329779A Hav AMALAKANTI ANANDA RAO, R/o.Vill:Krishna Puram, Post: Pulaparathi, Teh:Yellamachi, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh - 531055 have changed my name from AMALAKANTI NAGADURGA to AMALAKANTI NAGA DURGA vide affidavit dt:08-04-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, VIJAY SEKHAR REDDY Father of Service No. 15176605W Ex.Hav BANDI ABISHEK REDDY, Residing at Vill:Sathu Pally, PO and Teh:Sathu Pally, Dist:Khammam, Telangana - 507303 have changed my name and DOB from VIJAY SEKHAR REDDY, DOB:16-07-1960 to BANDI VIJAYA SEKHAR REDDY, DOB:08-04-1964 vide affidavit dt:08-04-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.16118516H SPR SARAVANAN V, Residing at Vaniyambadi, Idaiyampallam, Peddaveppampattu,Vallipattu, Dist: Vellore, Tamilnadu-635752 that my father name & DOB is changed from VELU, DOB:10-11-1964 to V VELU, DOB:06-07-1961 and my mother name and DOB is changed from SELVI, DOB:23-03-1969 to V SELVI, DOB:15-03-1974 vide affidavit dt:08-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH
I,**MUNGI SABITHA,** W/o. Mungi Mohan Reddy, R/o. Plot No-301, H.No:1-1-106A/1068, Lakshmi Nagar Colony, Manikonda,Puppalaguda,K.V.Ranga-reddy Dist, TG-89, in my Documents my name is recorded as **'Mungi Sabitha' & "Sabitha Reddy" & MUNGI SABITHA REDDY**. the names **"Mungi Sabitha", "Sabitha Reddy", and "Mungi Sabitha Reddy"** refer to one and the same person, i.e., myself. hence I shall be known as **Mungi Sabitha"** only for all purpose. And also Change of my date of birth as per Aadhar card and PAN Card **01-02-1970** but passport it's **05-04-1970.** so please change my date of birth as Aadhar card and PAN Card

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दक्षिण जोन की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के दक्षिण जोन की एक महत्वपूर्ण बैठक 8 अप्रैल को राजधानी होटल में आयोजित की गई। समाज के मंत्री विकास केशान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाराज अग्रसेन जी की पूजा के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। इस सभा में शाखा पदाधिकारियों के अतिरिक्त अग्रवाल समाज तेलंगाना के निवर्तमान अध्यक्ष मनीष कुमार अग्रवाल, निवर्तमन मंत्री कपूर चंद, पूर्व अध्यक्ष एवं परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि किस प्रकार कुछ महत्वकांक्षी बंधुओं के कारण समाज में उथल-पुथल हो रही है। उन्होंने सभा के समक्ष विस्तार से बताया कि किस प्रकार झूठ का सहारा लेकर समाज को भ्रमित किया जा रहा है और असंवैधानिक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने सभा से अपील की कि 12 अप्रैल को होने वाली साधारण वार्षिक सभा में शामिल होकर सत्य का साथ दें और दूध का दूध, पानी का पानी करें।

निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि उन्होंने कई बार वर्तमान अध्यक्ष जी को चेताया और बताया कि यह कार्य संविधान के अनुसार नहीं है। उन्होंने दुख प्रकट करते हुए कहा कि गत वर्षों में अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों को अन्य समाज के बंधु आमंत्रित करते थे और पूछते थे कि अग्रवाल समाज इतने अच्छे-अच्छे कार्य इतनी आसानी से कैसे कर लेते है, परंतु आज लोग समाज में चल रहे विवाद की चर्चा करते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 50 लाख रुपये शिक्षा और मेडिकल सहायता के लिए वितरित किए गए थे और यह धनराशि मात्र एक आह्वान पर समाज के बंधुओं ने अनुदान के रूप में समाज को दी थी, परंतु दुख की बात है कि अब तक इस वर्ष यह आंकड़ा लगभग शून्य है। उन्होंने समाज के बंधुओं से निवेदन किया कि साधारण वार्षिक सभा में अवश्य पधारकर सत्य का साथ दें। उन्होंने आगे कहा कि समाज के हित में सारे पदाधिकारी एकजुट होकर कार्य करें या फिर सारे त्यागपत्र दे दें और समाज में पुनः चुनाव करवाकर नए पदाधिकारी चुनें।

पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता से भेंट कर परिस्थिति से अवगत कराया और कहा कि आप जिम्मेदारी से अपना राजधर्म निभाते हुए समाज के हित में सामंजस्य रखते हुए कार्य करें। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एक बेस्ट करते हैं फिर बहक जाते हैं और उनका तानाशाही रवैया समाज के लिए सही नहीं है। उन्होंने सभा से आग्रह किया कि यदि सभा से कोई भी बंधु अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को समझा सकता है और सही दिशा दिखा सकता है तो आगे बढ़ें और यदि उनकी सहायता चाहिए तो वे हमेशा इस कार्य के लिए समाज हित में उपलब्ध रहेंगे ।

शमशाबाद हवाई अड्डे पर लव जिहाद!

राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक टी. राजा सिंह ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु को एक पत्र लिखकर शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) में हो रही कुछ घटनाओं पर कार्रवाही की माँग की। विधायक ने बताया कि हवाई अड्डे पर मुस्लिम कर्मचारियों को नमाज अदा करने के लिए एक विशेष स्थान आवंटित किया गया है।

हालांकि, यह पता चला है कि हिंदू कर्मचारियों को उसी तरह प्रार्थना करने के लिए कोई विशेष स्थान आवंटित नहीं किया गया है। साथ ही, ऐसी शिकायतें भी मिल रही हैं कि हवाई अड्डे पर

कार्यरत हिंदुओं को तिलक लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इसके अलावा, वहां काम करने वाली हिंदू महिलाओं पर अनुचित प्रभाव और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर भी संदेह व्यक्त किया जा रहा है। राजा सिंह ने कहा कि यदि ये बातें सच हैं, तो यह समानता और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करने का अधिकार देता है। विधायक राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री से निम्न माँगे रखी-

1. शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उपरोक्त मुद्दों की व्यापक जांच कराई जाए।
2. सभी धर्मों के कर्मचारियों को समान अवसर और सुविधाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएं।
3. हिंदू कर्मचारियों को अपने धार्मिक रीति-रिवाजों (जैसे तिलक लगाना) का स्वतंत्र रूप से पालन करने देने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।
4. महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों की भी विशेष जांच की जाए और उचित कार्रवाई की जाए।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे आशा है कि आप इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

जलविहार में आरओ प्लांट में विस्फोट, 2 की हालत गंभीर

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार सुबह पीवीएनआर मार्ग स्थित जलविहार में एक जल शोधन (आरओ) संयंत्र में हुए शक्तिशाली विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई। इस हादसे में तीन कर्मचारी घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की स्थिति अत्यंत गंभीर बताई जा रही है।

जलापूर्ति इकाई में धमाका

विस्फोट उस आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) प्लांट में हुआ जो क्षेत्र में पीने के पानी की आपूर्ति करता है। धमाका इतना भीषण था कि इकाई के भीतर रखे कई उपकरण और मशीनें चकनाचूर हो गईं। अचानक हुए इस हादसे के बाद वहां काम कर रहे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जांच के आधार पर, पुलिस को संदेह है कि आरओ फिल्टर या कंप्रेसर के अंदर अत्यधिक दबाव (प्रेशर) बनने के कारण यह विस्फोट हुआ होगा। हालांकि, तकनीकी रूप से विस्फोट के सटीक कारणों की पुष्टि होना अभी बाकी है।प्लांट में काम कर रहे तीन कर्मचारी इस घटना की चपेट में आ गए। इनमें से अप्पुलु नायडू और अंजी को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। एक अन्य कर्मचारी लक्ष्मण भी इस हादसे में घायल हुआ है। घटना के तुरंत बाद सहकर्मियों द्वारा घायलों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। अप्पुलु नायडू और अंजी को गांधी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि लक्ष्मण का सोमाजीगुडा स्थित जॉय अस्पताल में उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गईं और मामला दर्ज कर लिया है।

सीएसआर व्यय को सामाजिक विकास में भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए, खर्च के रूप में नहीं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि सामाजिक पहलों पर कॉर्पोरेट खर्च को केवल व्यय के बजाय समाज के विकास में एक साझेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष पर आयोजित एक बैठक के दौरान विभिन्न कॉर्पोरेट फर्मों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएसआर व्यय से अधिकतम सामाजिक लाभ मिलना चाहिए और सार्थक परिणाम आने चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जल संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है, और कंपनियों को इन या अपनी पसंद के अन्य क्षेत्रों में सीएसआर फंड का उपयोग करने के लिए आमंत्रित किया।

शिक्षा और कौशल विकास पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और कॉर्पोरेट क्षेत्र द्वारा समन्वित खर्च तेलंगाना के छात्रों को विश्व स्तरीय कौशल से लैस वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पेशेवरों में बदलने में मदद कर सकता है। शिक्षा पर होने वाले खर्च को भविष्य की पीढ़ियों में निवेश बताते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य की छात्र आबादी का लगभग 44 प्रतिशत हिस्सा हैदराबाद में केंद्रित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना एक सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

स्थानीय विकास और हैदराबाद पर ध्यान

उन्होंने उन कंपनियों से आग्रह किया जो स्थानीय बुनियादी ढांचे से लाभान्वित हो रही हैं, वे अपने सीएसआर फंड का एक बड़ा हिस्सा हैदराबाद क्षेत्र के विकास के लिए आवंटित करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सीएसआर फंड के उपयोग को सुव्यवस्थित करने के लिए एक विशेष मुख्य सचिव नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि कंपनियां नामित अधिकारी के साथ समन्वय कर सकती हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, जल संसाधन, कौशल विकास, विरासत संरक्षण और वन संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सहयोग कर सकती हैं।

कॉर्पोरेट जगत का बड़ा समर्थन

उन्होंने बताया कि रहेजा ग्रुप और रामकी ग्रुप ने 50-50 करोड़ रुपये, जबकि यशोदा फाउंडेशन ने शैक्षिक विकास के लिए 10 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई है। मुख्यमंत्री ने इन संगठनों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह पहल सार्वजनिक कल्याण में सुधार के सरकार के प्रयासों को मजबूत करेगी। बैठक में मौजूद कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों ने कथित तौर पर इस पहल का स्वागत किया और स्कूली शिक्षा, अस्पतालों और विरासत संरक्षण परियोजनाओं में योगदान देने में रुचि व्यक्त की। इस बैठक में कई उद्योगपति, कॉर्पोरेट प्रतिनिधि और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए।

एसीबी ने जगतियाल नगर पालिका कार्यालय पर मारा छापा, पकड़ी गईं भारी अनियमितताएं

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने जगतियाल नगर पालिका के नगर आयुक्त कार्यालय पर औचक छापेमारी की। इस दौरान रिकॉर्ड, कर संग्रह, वित्तीय लेनदेन और प्रशासनिक कामकाज में कई तरह की अनियमितताएं पाई गईं। एसीबी द्वारा बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, करीमनगर रेंज इकाई द्वारा मंगलवार को जगतियाल जिला स्थित नगर पालिका कार्यालय में यह निरीक्षण किया गया था।

सत्यापन के दौरान, अधिकारियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगरपालिका राजस्व के संग्रह में भारी कमी मिली। एसीबी ने नोट किया कि विभिन्न कर शीर्षों के तहत 17.19 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले केवल 8.95 करोड़ रुपये ही एकत्र किए गए थे, जिससे 8.23 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला जाना

बाकी है। निरीक्षण के दौरान पाई गई अन्य अनियमितताओं में नगरपालिका के वाहनों का गायब होना, वाहन लॉग बुक का अनुचित रखरखाव, मरम्मत के लिए चेक जारी करने में अनियमितता, पिछले 18 वर्षों से नगरपालिका की दुकानों के लिए निविदाएं आयोजित न करना और राजस्व एवं किराये के रिकॉर्ड के रखरखाव में विसंगतियां शामिल थीं। ब्यूरो को संदिग्ध वित्तीय लेनदेन भी मिले हैं, जिसमें एक डिप्टी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के मोबाइल फोन में लगभग 1 लाख रुपये के संदिग्ध यूपीआई लेनदेन शामिल हैं, जिनकी वर्तमान में जांच की जा रही है।

लेआउट नियमितीकरण योजना आवेदनों के प्रसंस्करण, वर्दी और स्टेशनरी की खरीद, उपस्थिति निगरानी, स्टॉक रखरखाव और रसायनों के उपयोग एवं प्लास्टिक जब्ती से संबंधित रिकॉर्ड रखने में भी खामियां देखी गईं। एसीबी ने कहा कि सत्यापन पूरा होने के बाद जिम्मेदार नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश करते हुए सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

रिश्वतखोरी के मामले में आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस आउटपोस्ट के इंस्पेक्टर और एसआई गिरफ्तार

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने एक आपराधिक मामले के संबंध में कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में हैदराबाद कमिश्नरेट के आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस आउटपोस्ट से जुड़े एक इंस्पेक्टर और एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई) को गिरफ्तार किया है। बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसीबी की रंगारेड्डी रेंज इकाई ने पुलिस उप-निरीक्षक यू.के. सिद्धेश्वर और पुलिस निरीक्षक संपत्ति कनकैया को उस समय पकड़ा, जब उन्होंने एक शिकायतकर्ता से 5 लाख रुपये की मांग की और आंशिक भुगतान के रूप में 2 लाख रुपये स्वीकार किए।

आरोपी अधिकारियों ने कथित तौर पर आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन, शमशाबाद में दर्ज एक मामले में चार्जशीट दाखिल करने और शिकायतकर्ता के परिवार के सदस्यों को शामिल न करने या गिरफ्तार न करने के बदले रिश्वत की मांग की थी। एसीबी ने कहा कि अधिकारियों ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने कर्तव्यों का पालन अनुचित और बेईमानी से किया।

घाना के उच्चायुक्त ने सीएम से की मुलाकात, मजबूत द्विपक्षीय सहयोग का किया आह्वान

हैदराबाद, 08 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में घाना के उच्चायुक्त, क्वासी ओबिरी-डांसो ने बुधवार को यहाँ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। उच्चायुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद क्वासी ओबिरी-डांसो की हैदराबाद की यह पहली यात्रा है।

बातचीत के दौरान, दूत ने घाना और तेलंगाना के बीच मजबूत और निरंतर संबंधों की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और साझा विकास को बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठता की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने संबंधों को मजबूत करने और साझा प्रगति के लिए शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और व्यापार के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के महत्व पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.